RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 164 ● भिलाई, शनिवार 03 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में दिल दहला देने वाली घटना, पिता ने तीन बच्चों की हत्या कर खुदकुशी की

अमरावती। आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक शख्स ने अपने तीन बच्चों को जहर देकर मार डाला और बाद में खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि यह घटना नंद्याल जिले के उय्यालावाड़ा मंडल के थुडुमलादिन्ने गांव में हुई। वेमुलपति सुरेंद्र ने खुदकुशी करने से पहले अपने दो से सात साल के तीन बच्चों को मार डाला। काव्यश्री (7), ज्ञानेश्वरी (4), सूर्या गगन (2) और सुरेंद्र (35) के शव गुरुवार को उसके घर में मिले। पुलिस को शक है कि सुरेंद्र ने फांसी लगाने से पहले बच्चों को कीटनाशक मिला हुआ कोल्ड ड्रिंक पिलाया था। सुरेंद्र की पत्नी, महेश्वरी, ने 16 अगस्त को आत्महत्या कर ली थी। महिला ने खराब सेहत की वजह से यह कदम उठाया था और तब से सुरेंद्र बच्चों की देखभाल कर रहा था।

दुबई में बैठे शख्स ने दो नाम से बनवाए अलग-अलग पासपोर्ट

प्रयागराज। मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले में एक व्यक्ति ने अलग-अलग नाम और जन्मतिथि का उपयोग कर दो पासपोर्ट बनवा लिए। गोपनीय जांच में यह मामला सामने आने पर हड़कंप मच गया। आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने पर पता चला कि वह वर्तमान में दुबई में रह रहा है। फिलहाल, मुट्ठीगंज थाने में उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी का नाम मो. आमिल है और वह गऊघाट का रहने वाला है। यूपी में पासपोर्ट सत्यापन की गोपनीय प्रक्रिया के दौरान इसका फर्जीवाड़ा सामने आया। रिपोर्ट डीसीपी मुख्यालय प्रयागराज को भेजी गई, जिसके बाद डीसीपी नगर ने कार्रवाई के लिए मुट्ठीगंज थाने को निर्देशित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एफ आईआर गऊघाट चौकी प्रभारी लवकुश कुमार की ओर से दर्ज कराई गई। उनकी तहरीर में बताया गया है कि कार्यालय पुलिस उपायुक्त मुख्यालय कमिश्नरेट प्रयागराज के पत्रांक, जो पुलिस उपायुक्त नगर कमिश्नरेट प्रयागराज को संबोधित है, से पता चला कि मो0 आमिल (जन्मतिथि 12.08.1978) के आवेदन पर पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ से 22.09.1993 को पासपोर्ट जारी किया गया।

दो सड़क हादसों में तीन की मौत, एक गंभीर घायल

रुद्रपुर। थाना पुलभट्टा क्षेत्र अंतर्गत एनएच-74 पर दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मरने वालों में एक मोबाइल शॉप स्वामी था, जबकि एक निजी कर्मचारी था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम बघौरी सितारगंज निवासी मो. सैफ पुत्र इशहाक की सितारगंज में आई वर्ल्ड मोबाइल' नाम से दुकान है। उनके साथ उनके मित्र युगनप्रीत सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी साबेपुर, सितारगंज और सोहेल अंसारी पुत्र सरफराज अंसारी निवासी सिसैया, सितारगंज काम करते थे।

इंदौर में नलों से टपका जहर

उजड़ गए हंसते-खेलते परिवार-15 मौतों का जिम्मेदार कौन

इंदौर/ एजेंसी

भागीरथपुरा में सप्लाई हुए जहरीले पानी से अब तक 15 जानें जा चुकी हैं। शुक्रवार सुबह ही एमवायएच में भर्ती 68 वर्षीय गीताबाई की मौत हो गई। सबसे ज्यादा प्रभावित बस्ती की पान वाली गली में हैं। यहां 20 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती रहे हैं। घटना के बाद विभाग ने पानी के सैंपल लिए थे उनकी जांच रिपोर्ट भी सामने आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार पानी पीने योग्य नहीं था। पानी में खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद अब हैजा फैलने का डर भी सताने लगा है। जहरीले पानी की इस त्रासदी के शिकार पीड़ित अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें संजय यादव भी शामिल हैं। उनकी मां की मौत जहरीले पानी से हो गई और उनका बेटा भी अस्पताल में भर्ती है। संजय और उनकी पत्नी को भी उल्टी-दस्त की शिकायत थी। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती किया गया है। संजय ने बताया कि मेरी मां ने मेरे सामने आंखें मूंद ली, अब मुझे मेरे बेटे की चिंता है। उसे दस बोतल स्लाइन चढ़ाई गई। संजय ने कहा कि मेरी मां को जहरीले पानी ने छीन लिया, लेकिन मेरे बेटे को सरकार बचा ले। इस परिवार ने ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से चेक लेने से इनकार कर दिया था। जहरीले पानी ने पांच माह के बच्चे अव्यान साहू को भी उसके परिवार से छीन लिया। परिवार में एक बेटी है। दस साल बाद अव्यान हुआ था। 8 जुलाई को उसका जन्म हुआ। परिवार में बरसों बाद

खुशियां आई थीं। बच्चे की मौत के बाद मां बात करने की स्थिति में नहीं है। अव्यान के पिता सुनील ने बताया कि डिलीवरी के बाद पत्नी को दूध ठीक से नहीं आ रहा था। इस कारण अव्यान को ऊपर का दूध पिलाना शुरू किया। पैकेट वाला दूध नवजात के लिए ज्यादा गाढ़ा होता है। आसानी से वह पच सके, इस कारण उसमें हम पानी मिलाते थे। हमें क्या पता था कि वो जहरीला पानी हमसे बेटे को छीन लेगा। अव्यान को पहले दस्त हुए तो उसे एक क्लीनिक ले गए। दवा से आराम नहीं मिला। इस बीच उसे तेज बुखार आ गया। अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जहरीले पानी से मंजुला वाड़े की मौत हो गई। मंजुला की चार बेटियां हैं। अपने ससुराल से आई बेटी के लिए मंजुला ने रात को खाना बनाया था। वह अपने घर लौट गई। रात को मंजुला को उल्टियां होने लगीं। पति ने बताया कि उसे अस्पताल ले गए, लेकिन कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने कहा है कि उसकी मौत हो गई है। जो पानी भागीरथपुरा के घरों में पहुंचा। उसमें हानिकारक बैक्टीरिया था। इसका खुलासा मेडिकल कॉलेज की प्रारंभिक रिपोर्ट में हुआ है। यह पानी पीने योग्य नहीं था, लेकिन बीते एक माह से सप्लाई हो रहा था। उसे पीकर लोग बीमार हुए और 14 लोग अब तक इस मामले में जान गंवा चुके हैं।

राज्य की सरकार पर बीजेपी नेता उमा भारती का वार; कहा- जिंदगी की कीमत 2 लाख

इंदौर जो अपनी स्वच्छता के लिए देश भर में पहचाना जाता है, आज आंसुओं और मातम में डूबा है। भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से हुई 15 मौतों ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस त्रासदी पर राजनीति गरमा गई है और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री उमा भारती ने अपनी ही सरकार के सिस्टम पर तीखे सवाल दागे हैं। उन्होंने इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि जब अधिकारी आपकी सुन नहीं रहे थे, तो आप पद पर बैठकर बिसलेरी पानी क्यों पीते रहे, आपने इस्तीफा देकर जनता के बीच जाना बेहतर क्यों नहीं समझा। यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता का भी बन गया है। साल 2025 के अंत में हुई इन मौतों को उमा भारती ने सरकार और व्यवस्था के लिए कलंक बताया है।

जिसने सुना उड़ गए हैं होश!

सीएम नीतीश ने किया अपनी संपत्ति का ऐलान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल मंत्रियों की संपत्ति घोषणाएं जारी कीं। सार्वजनिक किए गए विवरण के अनुसार, नीतीश कुमार के पास 20,552 रुपये नकद हैं और उनके तीन बैंक खाते हैं। उनके पटना सचिवालय स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) खाते में 27,217 रुपये, दिल्ली स्थित एसबीआई संसदीय भवन खाते में 3,358 रुपये और बोरिंग रोड शाखा स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) खाते में 27,191 रुपये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास

11,32,753 रुपये मूल्य की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार और लगभग 2.03 लाख रुपये के आभूषण हैं। उनकी कुल चल संपत्ति का मूल्य 17,66,196 रुपये है। नीतीश कुमार के पास द्वारका स्थित पार्लियामेंट बिहार कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में एक फ्लैट भी है, जिसका वर्तमान बाजार मूल्य 1.48 करोड़ रुपये है।

बदलते मौसम में बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह

दिल्ली-एनसीआर में ऑरेंज अलर्ट, यूपी-बिहार समेत 12 राज्यों में बारिश और शीतलहर की चेतावनी.....

नई दिल्ली। देशभर में नए साल 2026 का स्वागत बर्फीली हवाओं और बारिश के साथ हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज, 2 जनवरी के लिए दिल्ली-एनसीआर में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए घने कोहरे और कड़ाके की ठंड की चेतावनी दी है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश का दौर शुरू हो गया है, जिससे आने वाले 48 घंटों में ठिठुरन और अधिक बढ़ने की संभावना है। राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में आज सुबह घना से बहुत घना कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई और कई ट्रेनें व उड़ानें देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज दिनभर की स्थिति बने रहने की संभावना जताई है, जहा अधिकतम तापमान 17एष्ट और न्यूनतम तापमान 10 एष्ट के आसपास रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के कई हिस्सों में आज बादल छाए हुए हैं और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। यूपी के कानपुर, लखनऊ और प्रयागराज जैसे

जिलों में सुबह कोहरे के बाद अब ठंडी हवाएं चल रही हैं। बिहार में अगले 24 घंटों के लिए शीत दिवस की चेतावनी दी गई है, जहा दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है। झारखंड में भी कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों से लगातार बर्फबारी हो रही है। शिमला, मनाली और बद्रीनाथ जैसे पर्यटन स्थलों पर ताज़ा हिमपात के कारण तापमान शून्य से नीचे चला गया है। पहाड़ों से आने वाली इन बर्फीली हवाओं ने राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में शीतलहर जैसी स्थिति पैदा कर दी है। राजस्थान के करौली और चूरू में न्यूनतम तापमान 4 से 6 डिग्री के बीच बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के ऊपर बना हुआ है।

इंदौर जलकांड पर बिफरे कांग्रेस नेता

घर-घर मातम है ऊपर से बीजेपी नेताओं के अहंकारी बयान-राहुल

नईदिल्ली/ एजेंसी

इंदौर में जहरीले पानी से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तक 15 लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। इस गंभीर स्वास्थ्य संकट ने अब सियासी रंग भी ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार पर सीधा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन गहरी नींद में था। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से बीजेपी नेताओं के

अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? सीवर पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई क्यों नहीं रोकी गई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? उन्होंने आगे लिखा- ये 'फोकट' सवाल नहीं हैं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए बीजेपीका डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।

दिसंबर में उत्तराखंड सूखा, बारिश-बर्फबारी नदारद

देहरादून। दिसंबर माह बीत गया, लेकिन उत्तराखंड में बारिश की एक बूंद नहीं गिरी। पहाड़ बर्फबारी को तरसते रहे और मैदानों में घना कोहरा व सूखी ठंड ने इंसानों से लेकर पेड़-पौधों और पशुओं तक सबको बेहाल कर दिया। नवंबर में भी प्रदेश में 98न्न कम बारिश दर्ज हुई थी। प्रदूषण और स्वास्थ्य पर असर 31 दिसंबर को राजधानी देहरादून में 12 घंटे तक एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के पार रहा। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. कुमार जी कौल के अनुसार सूखी ठंड और बारिश न होने से हवा में प्रदूषण के कण जम गए हैं। खांसी, जुकाम, एलर्जी और सांस के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बुजुर्गों और बच्चों में निमोनिया और कोल्ड डायरिया जैसी समस्याएँ भी सामने आ रही हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में

भूपेश के बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट से मिली गई जमानत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को बड़ी राहत मिली है। उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। उच्च न्यायालय बिलासपुर के जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच ने यह निर्णय सुनाया है। फिलहाल, उन्हें ईओडब्ल्यू और ईडी मामले में जमानत मिली है। अन्य मामलों में जांच जारी है। ईओडब्ल्यू और एसीबी ने दावा करते हुए बताया कि करीब 3,800 पन्नों चार्जशीट में चैतन्य बघेल को तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा

के कथित घोटाले में आरोपी बनाया गया है। इस मामले में अब तक कुल आठ चार्जशीट पेश किये जा चुके हैं। नई चार्जशीट में पहले से गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जांच की मौजूदा स्थिति रिपोर्ट दिया गया है। वहीं हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों से डिजिटल साक्ष्य रिपोर्ट भी शामिल हैं। यह दस्तावेज आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ चल रही जांच की प्रगति की भी रूपरेखा बताता है। चार्जशीट का हवाला देते हुए बताया गया है कि चैतन्य बघेल ने अनिल टुटेजा, सौम्या चौरसिया, अरुणपति त्रिपाठी और निरंजन दास जैसे अधिकारियों के बीच समन्वयक के रूप में काम किया। जो प्रशासनिक स्तर पर सिंडिकेट के हितों के अनुसार काम करते थे और नेटवर्क के जमीनी स्तर के संचालकों जैसे अनवर ढेबर, अरविंद सिंह और विकास अग्रवाल (सभी सह-आरोपी) को निर्देश जारी करते थे।

भारत के लिए ऐतिहासिक साल होगा 2026

चार प्लांट्स में शुरू होगा कमर्शियल चिप प्रोडक्शन-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के लिए वर्ष 2026 तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होने जा रहा है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को घोषणा की कि देश में चार सेमीकंडक्टर प्लांट्स इस साल अपना कमर्शियल प्रोडक्शन (व्यावसायिक उत्पादन) शुरू कर देंगे। यह कदम महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की एक बड़ी छलांग है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, माइक्रोन, सीजी पावर, कायन्स टेक्नोलॉजी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स 2026 में चिप का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हैं। उत्पादन की समयसीमा को स्पष्ट करते हुए मंत्री ने बताया कि सीजी पावर और कायन्स टेक्नोलॉजी, जिन्होंने पिछले साल ही पायलट प्रोडक्शन शुरू कर दिया था, सबसे पहले कमर्शियल ऑपरेशन्स में ट्रांज़िशन करेंगी। इसके अलावा, अमेरिकी कंपनी माइक्रोन की फैसिलिटी में भी हाल ही में पायलट प्रोडक्शन शुरू हो चुका है और वह भी जल्द ही व्यावसायिक उत्पादन की ओर बढ़ेगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के असम प्लांट को लेकर उन्होंने जानकारी दी कि वहां 2026 के मध्य तक पायलट प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है और साल के अंत तक इसे कमर्शियल मैन्युफैक्चरिंग में बदल दिया जाएगा। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून 2023 में साणंद में पहली सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी मिलने के बाद से अब तक कुल 10 सेमीकंडक्टर

निर्माण परियोजनाओं को हरी झंडी दी जा चुकी है। इन परियोजनाओं के तहत गुजरात, असम, उत्तर प्रदेश, पंजाब, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संचयी निवेश किया जा रहा है। वैष्णव ने यह भी रेखांकित किया कि भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में ताइवान, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे प्रमुख सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों की रुचि अत्यधिक और विशाल बनी हुई है। डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव 2.0 योजना के पुनर्गठन पर बात करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि करदाताओं के पैसे का उपयोग दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। नई व्यवस्था के तहत सरकार शुरुआती डिजाइन चरणों का पूरा समर्थन करेगी। आगे की फंडिंग वेंचर कैपिटल निवेश के अनुपात में होगी, जो वैश्विक स्तर पर अपनाया जाने वाला मॉडल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल सरकारी फंड लेकर प्रोजेक्ट बंद न हो जाएं, बल्कि बाजार की मांग के आधार पर आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की डिजाइन क्षमताएं काफी मजबूत हुई हैं। अब कंपनियां उन्नत 2-नैनोमीटर (2एनएम) चिप डिजाइन पर काम कर रही हैं, जो पहले 5-7 नैनोमीटर तक सीमित थीं।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी सफलता, पालघर में 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग का काम पूरा

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। पालघर जिले में विरार और बोइसर के बीच 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का काम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली से ऑनलाइन इस ऐतिहासिक क्षण का अवलोकन किया और इसे परियोजना की एक बड़ी उपलब्धि बताया। रेल मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, विरार और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच निर्मित यह 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शुमार है। इसे परियोजना में 'माउंटेन टनल-5' के नाम से जाना जाता है। महाराष्ट्र में यह दूसरी ऐसी सुरंग है जिसकी खुदाई का कार्य पूरी तरह पूर्ण हो चुका है।

धान खरीदी में त्रुटियों को लेकर बरस पड़े विधायक शासन प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

पोर्टल की आड़ में किसानों को उलझा रखी सरकार : विधायक

डोंगरगांव नगर। विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में धान खरीदी के दौरान आ रही तकनीकी दिक्कतों एवं सरकारी नीतियों में त्रुटि का आरोप लगाते हुए विधायक दलेश्वर साहू ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में दौरे के दरम्यान किसानों की शिकायतों के उपरांत एग्रीस्टैक पोर्टल और पीवी एप में आ रही तकनीकी खामियों को लेकर शासन व प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। इस आशय को लेकर विधायक ने प्रेसवार्ता लेकर धानखरीदी के विसंगतियों को उजागर किया। विधायक दलेश्वर साहू ने कहा कि क्षेत्र के किसान धानखरीदी में विसंगतियों एवं सरकार की नीतियों में त्रुटि को लेकर लगातार शिकायत लेकर पहुँच रहे हैं। विधायक ने बताया कि पटवारी द्वारा सत्यापन के बावजूद एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसान का रकबा कम दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा एक तरफ किसान कड़ाके की ठंड में धान बेचने की उम्मीद लिए खड़ा है, वहीं दूसरी तरफ डिजिटल सिस्टम के नाम पर शासन व प्रशासन किसानों को दफ्तरों के चक्कर लगाने मजबूर कर रखा है। विधायक ने सवाल उठाते हुए कहा कि वन अधिकार पट्टे में कलेक्टर व आयुक्त जैसे अफसर के दस्तखत होते हैं, इनके दस्तखत वाले पट्टे के आधार पर धानखरीदी क्यों नही की जा रही है। उनहोने कहा कि पीवी एप और पोर्टल के बीच तालमेल की कमी का खामियाजा गरीब किसानो को क्यों भुगतान पड़ रहा है, आखिर इसके जिम्मेदार कौन हैं। प्रेसवार्ता दौरान किसाननेता गुलाब वर्मा, विधायक प्रतिनिधि टिकेश साहू, रोशन यदु, रोशन साहू, सद्दाम खत्री, अखिलेश नखत, दीपक देवांगन, सोमन साहू व डिलेश्वर साहू उपस्थित थे।

विधायक ने आंदोलन की चेतावनी

विधायक दलेश्वर साहू ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन ने जल्द ही इन तकनीकी त्रुटियों को सुधार कर सुचारू रूप से धान खरीदी सुनिश्चित नहीं की, तो वे किसानों के हक के लिए सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने मांग की है कि जब तक पोर्टल की खामियां दूर नहीं होतीं है, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ऑफलाइन रिकॉर्ड को प्राथमिकता दी जाए ताकि किसान परेशान न हों।

इन प्रमुख मुद्दों पर उठाए सवाल

विधायक ने विधानसभा में शासन व प्रशासन स्तर की निम्नलिखित मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की बात कही है। विधायक ने बताया कि एग्रीस्टैक में किसानों का वास्तविक पंजीकृत रकबा गायब होना विसंगति है। मृत किसानों के परिवारों को 'कैरी फॉरवर्ड' की सुविधा न मिलने से आ रही दिक्कतें आ रही है, जिससे वे धान विक्रय नही कर पा रहे हैं। ऑफलाइन टोकन वितरण में पारदर्शिता की कमी से सत्तापक्ष जमकर बंदरबाट कर रहा है। शासकीय पट्टाधारी किसानों को पोर्टल में तकनीकी अड़चनें आ रही है।

जिला साहू संघ का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

बेमेतरा। जिला साहू संघ बेमेतरा के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन टाउन हॉल बेमेतरा में किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि ताम्राध्वज साहू पूर्व मंत्री गृह, जेल व लो. नि. वि. कार्यक्रम की अध्यक्षता निरेंद्र साहू अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ विशिष्ट अतिथि थानेश्वर साहू पूर्व अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ, जितेंद्र साहू अध्यक्ष तेलघानी विकास बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन, पंचराम साहू प्रथम अध्यक्ष, रामकुमार साहू पूर्व अध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा कविता साहू पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा, लखन लाल साहू पूर्व महामंत्री प्रदेश साहू संघ, हरीश साहू सदस्य जिला पंचायत बेमेतरा रहे। सर्व प्रथम अतिथियों के द्वारा भक्त माता कर्मा के तैलचित्र पर माल्यार्पण आरती पूजा पश्चात अतिथि स्वागत किया गया।

जिला साहू संघ बेमेतरा के नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को निरेंद्र साहू अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ के द्वारा शपथ दिलाई। और नव निर्वाचित अध्यक्ष के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में समाज के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान नारद साहू ने अध्यक्ष पद की शपथ ली, जबकि लेखराम साहू ने उपाध्यक्ष पद का दायित्व संभाला। इसके साथ ही नूतन साहू, मधोराम साहू एवं तारकेश्वरी साहू सहित अन्य पदाधिकारियों एवं समाज जनों ने समाज हित, संगठन की मजबूती एवं एकता बनाए रखने की शपथ ली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू ने कहा कि साहू समाज सदैव सामाजिक समरसता, शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। साहू समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नारद साहू ने कहा कि हमारा संकल्प है कि समाज को संगठित कर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत किया जाए। युवा, महिलाएं और वरिष्ठजन सभी को साथ लेकर समाज हित में निरंतर कार्य किया जाएगा। मंच संचालन चौवन साहू एवं आभार प्रदर्शन पंचम साहू के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तहसील अध्यक्ष गण रोहित साहू बेमेतरा प्रेमु साहू नवागढ़ गौतम साहू नांदघाट भारत भूषण साहू बेरला मोहित साहू दाढ़ी एवं सभी परिक्षेत्र अध्यक्ष गण व सामाजिक पदाधिकारी शामिल रहे।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना से सशक्त हुआ दाम्पत्य जीवन

गरियाबंद। राज्य शासन के दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व में समाज के कमजोर एवं विशेष आवश्यकता वाले वर्गों के कल्याण हेतु प्रभावी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिला गरियाबंद की एक दिव्यांग दम्पत्ति को लाभान्वित किया गया है। छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुटेना, पोस्ट पाण्डुका निवासी कुलेश्वरी निषाद (उम्र 34 वर्ष), जो 45 प्रतिशत अस्थिबाधित हैं तथा उनके पति लकेश निषाद (उम्र 24 वर्ष), जो 40 प्रतिशत श्रवण बाधित हैं, उक्त योजना के अंतर्गत सहायता प्रदान की गई। योजना के प्रावधान अनुसार पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके तहत दम्पत्ति को एक लाख की राशि स्वीकृत कर प्रदाय की गई। प्राप्त प्रोत्साहन राशि से दम्पत्ति ने अपने दाम्पत्य जीवन को सुदृढ़ आधार प्रदान किया है। आज वे किसी पर आश्रित न होकर आत्मनिर्भरता के साथ सुखमय एवं सम्मानजनक जीवन यापन कर रहे हैं। योजना से मिली सहायता ने न केवल आर्थिक संबल दिया, बल्कि आत्मविश्वास एवं सामाजिक सम्मान को भी सुदृढ़ किया है। दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना राज्य शासन की समावेशी एवं जनकल्याणकारी सोच का उदाहरण है, जो दिव्यांगजनों को सशक्त बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण है।

भाजपा सरकार सतनामी समाज के विकास के लिए प्रतिबद्ध : दीपेश साहू

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती पर विधायक दीपेश साहू अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरदी, खंगारपाठ, खजरी (दारगांव), सोढ़ एवं चंडीभाठा में संत शिरोमणि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों एवं भव्य सतनाम शोभा यात्राओं में विधायक दीपेश साहू ने सहभागिता कर बाबा जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर विधायक साहू ने जैतखाम एवं बाबा गुरु घासीदास जी के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। ग्राम हरदी में निकाली गई भव्य सतनाम शोभा यात्रा सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और समाज की एकता का जीवंत प्रतीक बनी। विधायक साहू ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी का जीवन और उनका संदेश सत्य, अहिंसा, समानता और मानवता पर आधारित है। उन्होंने समाज को जाति, भेदभाव और अन्याय से मुक्त होकर एक समरस समाज की दिशा दिखाई। आज हमें उनके विचारों को आत्मसात कर सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की ओर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बाबा गुरु घासीदास जी के विचारों को केवल सम्मान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें नीतियों और कार्यों के माध्यम से धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। भाजपा सरकार द्वारा सतनामी समाज के लिए किए गए प्रमुख कार्य को लेकर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि भाजपा सरकार ने सतनामी समाज के सम्मान और विकास के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से बाबा गुरु घासीदास जयंती को शासकीय स्तर पर गरिमामय रूप से मनाने की परंपरा, जिससे समाज की पहचान और गौरव को मजबूती मिली। सतनामी समाज के धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों के विकास हेतु भवन, मंच, जैतखाम सौंदर्यीकरण और सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए शिक्षा, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, जिससे समाज के बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिला।

आवास, स्वास्थ्य, राशन, पेंशन और रोजगार से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ सतनामी समाज के जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया गया। सामाजिक समरसता और समान अधिकारों को बढ़ावा देने वाली नीतियां, जिससे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और अवसर मिले। उन्होंने कहा–भाजपा सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि सतनामी समाज को शिक्षा, सम्मान और रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जाए। समाज के विकास के बिना प्रदेश का विकास संभव नहीं है।विकास कार्यों को लेकर ग्रामवासियों से संवाद कार्यक्रमों के दौरान विधायक दीपेश साहू ने सभी ग्रामों में ग्रामवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक भवन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि हर गांव का संतुलित और समावेशी विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रमों में किशुन साहू,जीवन बंजारे,ताम्रध्वज साहू, छन्नू लाल कुर्रे,जितेंद्र कोसले, शांतिलाल कुर्रे,उपेंद्र साहू,शिवकुमार साहू,राजेश साहू डामन साहू,खुमान साहू,थानेश्वर साहू, राजेश साहू, संतोष यादव लखनलाल,बंजारे प्रशांत सिंह, रितु कुमार साहू, को बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जय सतनाम समिति के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और सामाजिक एकता के वातावरण में संपन्न हुए।

गुरु घासीदास बाबा का जीवन-दर्शन युगों तक देता रहेगा मानवता का संदेश: पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। ग्राम पंचायत चंडीभाटा एवं खंगारपाट में आयोजित परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास की 269 वी जयंती समारोह में पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं समाज जनों को संबोधित करते हुए कहा कि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास का जन्म ऐसे समय हुआ जब समाज में छुआछूत, ऊंच-नीच, झूठ-कपट का बोलबाला था। ऐसे समय में उन्होंने समाज को एकता,भाईचारे तथा समरसता का संदेश दिया, बाबा गुरु घासीदास ने समाज के लोगों को प्रेम और मानवता का संदेश दिया संत गुरु घासीदास की शिक्षा आज भी प्रासंगिक है, बाबा ने समाज के लोगों को सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने न सिर्फ सत्य की आराधना की, बल्कि समाज में नई जागृति पैदा की और अपनी तपस्या से प्राप्त ज्ञान और शक्ति का उपयोग मानवता की सेवा के कार्य में किया। इसी प्रभाव के चलते लाखों लोग गुरु घासीदास बाबा के अनुयायी हो गए,गुरु घासीदास ने समाज में व्याप्त कुप्रथाओं का बचपन से ही विरोध किया, उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत की भावना के विरुद्ध 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश दिया, गुरु घासीदास बाबा का जीवन-दर्शन युगों तक मानवता का संदेश देता रहेगा,वे आधुनिक युग के सशक्त क्रांतिदर्शी गुरु थे,इनका व्यक्तित्व ऐसा प्रकाश स्तंभ है,जिसमें सत्य, अहिंसा, करुणा तथा जीवन का ध्येय उदात्त रुप से प्रकट है, बाबा के बताए मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति ही अपने जीवन में अपना तथा अपने परिवार को आगे बढ़ा पाएग, घासीदास बाबा ने कहा था कि हमें नशा-पान का सेवन नहीं करना चाहिए, सदा सादा जीवन जीना चाहिए। हम सभी को बाबा जी के बताए मार्ग में चल कर अपने जीवन को सफल बनाना है,ललित विश्वकर्मा रवि परगनिहा उषा सोनवानी सूर्य प्रकाश शर्मा आशीष परगनिहा ओनी महिलांग रामसिंग गायकवाड कमल बघेल अनिल वर्मा पंचम पटेल चेतन बंजारे रविकांत पाटिल विवेक राजपूत सुजीत बघेल कैलाश पाल, राम स्वरूप चतुर्वेदी, डेविड अंचल सिंह सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अवैध धान भंडारण पर मुलमुला में फुटकर व्यापारी का गोडाउन सील

बेमेतरा । जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में जिले में अवैध धान भंडारण एवं अवैध व्यापार के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में डिप्टी कलेक्टर सुश्री पिंकी मनहर के नेतृत्व में खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध धान भंडारण की शिकायत प्राप्त होने पर ग्राम मुलमुला में त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर ग्राम मुलमुला स्थित फुटकर व्यापारी भोलाराम देवांगन, पिता कल्लू देवांगन के गोडाउन में छापामार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान मौके पर कल्लू देवांगन एवं उनके छोटे पुत्र रामानंद देवांगन उपस्थित पाए गए। अधिकारियों द्वारा गोडाउन का निरीक्षण करने हेतु चाबी प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु उनके द्वारा जानबूझकर असहयोग करते हुए गोडाउन की चाबी उपलब्ध नहीं कराई गई। चाबी उपलब्ध नहीं होने तथा निरीक्षण कार्य में बाधा उत्पन्न होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित गोडाउन को सील किया गया। इसके पश्चात भोलाराम देवांगन द्वारा दूरभाष पर संपर्क कर यह जानकारी दी गई कि उक्त गोडाउन के भीतर लगभग 350 बोरी धान का भंडारण किया गया है। निरीक्षण एवं पूछताछ के दौरान उनके द्वारा धान भंडारण से संबंधित किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज, अनुज्ञा पत्र अथवा अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासन द्वारा पंचनामा तैयार किया गया है तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

गरियाबंद में आबकारी टीम की बड़ी कार्रवाई अवैध कच्ची महुआ शराब एवं महुआ लाहन जब्त

गरियाबंद। गरियाबंद जिले की आबकारी टीम द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। राजिम सर्कल अंतर्गत गश्त के दौरान बरेठिन कोना जंगल क्षेत्र से 100 बल्क लीटर अवैध कच्ची महुआ मदिरा एवं 1,350 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर जब्त किया गया। मौके पर महुआ लाहन को नष्ट किया गया। इस प्रकरण में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इसी क्रम में एक अन्य कार्रवाई में वृत्त देवभोग अंतर्गत गश्त के दौरान उसरीपानी कच्ची सड़क किनारे एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखी उड़ीसा प्रांत निर्मित 'ट्रिपल लाल घोड़ा' छाप कच्ची महुआ शराब प्रत्येक 200-200 एम.एल. की कुल मात्रा 10.40 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इस प्रकरण में भी अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की पतासाजी जारी है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक नागेशराज श्रीवास्तव, रजत चंद ठाकुर, आबकारी मुख्य आरक्षक चंद्रोल गायकवाड़, आबकारी आरक्षक पितांबर चौधरी, नगर सैनिक संजय नेताम, मनीष कश्यप, महिला नगर सैनिक हेमाबाई साहू, वाहन चालक शैलेन्द्र कश्यप तथा गोवर्धन सिन्हा शामिल थे। जिला प्रशासन द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राकृतिक आपदा के 2 प्रकरण में 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के दो प्रकरण में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवभोग तहसील के ग्राम मुंगझर निवासी 04 वर्षीय परमेश्वर यदु का 11 फरवरी 2025 को सर्पदंश से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम परिजन अमरसिंह यदु को 4 लाख रुपये आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार तहसील फिंगेश्वर के ग्राम सोनासिल्ली निवासी 71 वर्षीय आनंदी राम यादव का 30 जुलाई 2023 को तालाब में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम परिजन लोकराम यादव को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

नए वर्ष में संगठन ने लगाएं पीपल के पौधे

बेमेतरा । पर्यावरण प्रेमी संगठन जिला बेमेतरा के द्वारा कठिया के मुक्तिधाम में नए वर्ष के अवसर पर पीपल का एक पौधा रोपित कर नया वर्ष मनाया गया। पौधा रोपण के पश्चात संगठन के सदस्यों का मिठाई द्वारा मुंह मीठा कराया गया एवं इस वर्ष संगठन के द्वारा अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया गया। पौधारोपण में डॉक्टर डीपी वर्मा, गणेश सेठ, सुंदरलाल साहू, प्रकाश साहू, परदेसी साहू, कोमल साहू, गणेश साहू, दिलीप साहू, लक्ष्मी नारायण साहू , कृष्ण कुमार साहू उपस्थित रहे।

कलेक्टर उइके ने औचक निरीक्षण में अनुपस्थित 9 अधिकारी-कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने नववर्ष के अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय में संचालित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य, श्रम, योजना एवं सांख्यिकी, खनिज विभाग, निर्वाचन शाखा, पीएमजीएसवाय, शिक्षा, आबकारी, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास विभाग एवं उद्यानिकी विभाग, लोक सेवा केंद्र के कार्यालय का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय के शाखाओं में जाकर अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति, स्थापना, फाइलों का भंडारण एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय में कार्यालयीन समय में उपस्थित शासकीय कर्मियों की जानकारी ली। कार्यलयीन समय पर अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने बिना सूचना के अनुपस्थित शासकीय सेवकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कार्यालयीन समय में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों की सैलरी भी काटने के निर्देश दिए। साथ ही चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों को निर्धारित ड्रेस में ही कार्यालय आने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि शासन के मंशा अनुसार सभी शासकीय सेवक निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित होकर शासकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने जिला अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों के कर्मचारियों को भी निर्धारित समय में कार्यालय आने के नियम का पालन करवाने के निर्देश दिये। महिला स्व-सहायता द्वारा परिसर में संचालित भुतेश्वर नाथ केंटिन के रसोई कक्ष का निरीक्षण किया जिसमें महिलाओं को साफ-सफाई एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन-व्यंजन निर्माण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार निरीक्षण के दौरान लोक सेवा केन्द्र में आधार में त्रुटि सुधार के लिए मैनपरु से आए 2 स्कूली छात्राओं के समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक सुदामा ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान सभी शाखाओं में नस्तियों के व्यवस्थित संधारण एवं साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने एवं पुराने एवं अनुपयोगी फाईलों को डिस्पोज करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी आलमारियों में रजिस्टर एवं दस्तावेजों को क्रमबद्ध तरीके से रख कर फाइलों के नाम युक्त सूची अलमारी में चिपकाने के निर्देश दिए। जिससे आसानी से फाइलों को कार्य अनुसार निकाला जा सके। कलेक्टर उइके ने निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर का भी अवलोकन किया।

संक्षिप्त समाचार

नशेड़ियों का आतंकः घर में घुसकर युवक को सड़क पर घसीटा,फिर चाकू और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा

रायपुर। ऊर्जाधानी कोरबा के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत इमली डुग्गू इलाके में नशेड़ियों के बढ़ते हौसलों ने सनसनी फैला दी है। यहाँ एक युवक को महज इसलिए लहूलुहान कर दिया गया क्योंकि उसने घर के बाहर गाली-गलौज करने से मना किया था। हमलावरों ने युवक को उसके घर से खींचकर बाहर निकाला और बीच सड़क पर बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित संजय यादव के अनुसार, वह देर शाम काम से घर लौटा था। घर के बाहर कुछ युवक नशे की हालत में जोर-जोर से अश्लील गालियां दे रहे थे। संजय ने शालीनता से उन्हें वहां से जाने और गाली-गलौज न करने को कहा। इसके बाद वह अपने घर के अंदर चला गया। लेकिन नशे में धुत आरोपियों को यह नागवार गुजरा। संजय के घर के अंदर जाते ही 6 से अधिक युवक उसके घर के गेट पर आ धमके। उन्होंने जबरन संजय को घर से बाहर खींच लिया और सड़क पर पटक दिया। आरोपियों ने संजय के सिर, हाथ और सीने पर ताबड़तोड़ वार किए। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों के पास चाकू भी थे, जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। जब परिवार के सदस्य बीच-बचाव करने आए, तो दरिंदों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की। पीड़ित परिवार ने पुलिस को बताया कि इस हमले में महेश, साहिल, बिट्टू, छोटू पांडे, विजय पांडे और उमेश सागर समेत अन्य युवक शामिल थे। संजय को गंभीर हालत में जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है। संजय के भाई विजय ने इलाके के खौफ़नाक मंजर को बयां करते हुए कहा कि ये हमलावर आदतन नशेड़ी हैं और नशे की गोलियों का सेवन करते हैं। इनका आतंक इतना है कि शाम होते ही मोहल्ले में महिलाओं और बच्चों का घर से बाहर निकलना दूभर हो गया है। आए दिन ये नशेड़ी राहगीरों और स्थानीय निवासियों के साथ बदतमीजी करते हैं। पीड़ित परिवार की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और आश्वासन दिया है कि जल्द ही सभी हमलावर सलाखों के पीछे होंगे।

धमतरी में नाबालिग दुष्कर्म मामले में सख्त सजा, आरोपी को 20 साल का सश्रम कारावास

रायपुर। नाबालिग से दुष्कर्म के गंभीर मामले में न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला धमतरी पुलिस की सुदृढ़, संवेदनशील एवं प्रभावी विवेचना का प्रतिफल माना जा रहा है, जो एसपी धमतरी के निर्देश में की गई। प्रकरण के अनुसार दिनांक 26 जून 2024 को करेलीबड़ी चौकी क्षेत्र अंतर्गत थाना मगरलोड, जिला धमतरी में अपराध क्रमांक 150/24 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366, 376(2)(ढ) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 एवं 6 के तहत नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म का गंभीर अपराध पंजीबद्ध किया गया था। एसपी धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में तत्कालीन चौकी प्रभारी करेलीबड़ी उप निरीक्षक अजय सिंह द्वारा मामले की अत्यंत गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ विवेचना की गई। विवेचना के दौरान ठोस साक्ष्य, तकनीकी प्रमाण एवं मजबूत तथ्यों को संकलित कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की सुनवाई उपरांत माननीय अपर सत्र न्यायाधीश (एफ्टीसी), धमतरी द्वारा आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। यह निर्णय नाबालिगों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर कड़ी न्यायिक कार्यवाही का स्पष्ट और सशक्त संदेश देता है। मामले में उत्कृष्ट विवेचना एवं सफ्ल कार्यवाही के लिए एसपी धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार द्वारा विवेचक उप निरीक्षक अजय सिंह (तत्कालीन चौकी प्रभारी करेलीबड़ी) को उनकी सेवा पुस्तिका में प्रशंसा प्रविष्टि के साथ 500 रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी से रामकृष्ण मिशन रायपुर में होगी

रायपुर। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम रायपुर में विवेकानंद जयंती समारोह में अंतरमहाविद्यालयीन एवं अंतर माध्यमिक शाला प्रतियोगिता का आयोजन 12 जनवरी से किया जाएगा। विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। रामकृष्ण मिशन के सचिव योगस्थानंद से मिली जानकारी के अ नुसार विवेकानंद जी की 164वीं जयंती समारोह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आश्रम में हिंदी तिथि के अनुसार स्वामी विवेकानंद का 164 जन्मदिवस उत्सव आश्रम प्रांगण में 10 जनवरी को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 5 बजे मंगल आरती विशेष पूजा भजन प्रात: 9 बजे हवन 10 बजे विशेष भोग एवं प्रसाद का वितरण 12.30 बजे दोपहर को किया जाएगा। मिशन के सचिव द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 14 जनवरी को विषय विश्व शांति के दूत स्वामी विवेकानद पर अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता, 15 जनवरी को तत्कालीन भाषाण प्रतियोगिता, 16 को अंतरमहाविद्यालयीन वाद विवाद प्रतियोगिता विषय सामाजिक समरसता के द्वारा राष्ट्रीय एकता संभव है। 17 को अंतरमहाविद्यायीन वाद विवाद प्रतियोगिता विषय भारती नारी का आदर्श सीता सावित्री तथा दैमतिहो 18 जनवरी को तत्कालीक भाषण प्रतियोगिता 19 जनवरी को भी अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता, 20 तथा 21 जनवरी को विषय सदन की राय में शिक्षा का उद्देश्य धन प्राप्ति अथवा चरित्र गठन हो, 22 को पाठ आवृत्ति प्रतियोगिता होगी। रविवार 25 को पुरस्कार वितरण समारोह होगा। इसमें मुख्य अतिथि का नाम अभी तक तय नहीं किया गया है। वृंदावन के सुप्रसिद्ध प्रवचनकर्ता श्री अखिलेश शास्त्री का प्रवचन विवेकानंद आश्रम स्थित हाल में होगा। यह प्रवचन सायं काल सात बजे से शुरू होगा।

एसएसपी ने सहायक उप निरीक्षकों की नवीन पदस्थापना

रायपुर। राजधानी रायपुर में प्रशासनिक स्तर पर कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अफसर कर्मचारी के बीच अनुशासन कायम करने की दिशा में एसएसपी लाल उमेंद सिंह ने सुनील दास को गंज थाना टीआई का प्रभार सौंपा है। वहीं भावेश गौतम को ट्रैफिक टीआई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं निरीक्षक सतीष सिंह, एस.एन. सिंह को क्रमश: रक्षित केन्द्र से कोतवाली एवं कबीर नगर का नया प्रभारी बनाया गया है। महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार 18 सहायक उप निरीक्षकों को नवीन पदस्थापना की गई है, जिसके अनुसार सुरेश चन्द्र यादव खरोरा से मंदिर हसौद, अश्वनी कुमार चन्द्रवंशी खरोरा से मंदिर हसौद, नारायण_साद सैन कबीरनगर से यातायात, सुरेश सिंह परिहार मंदिर हसौद से यातायात, अनंत कुमार बारिक मंदिर हसौर से सरस्वती नगर, गिरीश कुमार पाण्डेय।

दशकों से लंबित परियोजनाएँ अब समयबद्ध रूप से हो रही पूरी-मुख्यमंत्री श्री साय

प्रगति से तेज़ होती छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

■ छत्तीसगढ़ में भिलाई इस्पात संयंत्र आधुनिकीकरण और लारा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मिली नई गति : प्रगति प्लेटफार्म बना गेमचेंजर

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की गति नई ऊँचाइयों पर पहुँची है। दशकों से लंबित महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं ऊर्जा परियोजनाएँ अब प्रगति प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से समयबद्ध ढंग से पूरी हो रही हैं। यह केंद्र सरकार की परिणामोन्मुख, जवाबदेह तथा निर्णायक कार्यशैली का सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रगति प्लेटफ़ॉर्म का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण से न केवल देश में रेल उत्पादन को नई गति मिली है, बल्कि इससे हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती मिली है और औद्योगिक विकास को नई दिशा प्राप्त हुई है। इसी प्रकार एनटीपीसी की लारा सुपर थर्मल पावर परियोजना (1600 मेगावाट) से छत्तीसगढ़ सहित छह राज्यों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई है तथा औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रगति प्लेटफ़ॉर्म ने परियोजनाओं की निगरानी, निरंतर समीक्षा और बाधाओं के

त्वरित समाधान की एक सशक्त प्रणाली विकसित की है। स्पष्ट लक्ष्य, तेज़ क्रियान्वयन और ठोस परिणाम—यही नए भारत की कार्यसंस्कृति है और यही विकसित भारत ञ्च 2047 के लक्ष्य को साकार करने का मार्ग है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित प्रगति (क्क्रञ्जन्ढ्ढ) की 50वीं बैठक ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को भी नई गति प्रदान की है। प्रगति सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए विकसित एक आईसीटी आधारित प्लेटफॉर्म है, जिसने परियोजनाओं की निगरानी और समाधान की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया है। पिछले दशक में प्रगति प्लेटफॉर्म के माध्यम से 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं की रफ्तार तेज हुई है। इससे देशभर में अवसंरचना, ऊर्जा, रेल, सड़क, कोयला और अन्य क्षेत्रों से जुड़े अनेक कार्यों को समयबद्ध प्रगति मिली है। इन परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ भी शामिल हैं। बैठक में भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। इस परियोजना को वर्ष 2007 में स्वीकृति मिली थी। प्रगति बैठकों में नियमित समीक्षा और अंतर-एजेंसी समन्वय के कारण इस परियोजना को नई गति मिली, जिसके परिणामस्वरूप इसका कार्य तेज़ी से आगे बढ़ा और लक्षित प्रगति सुनिश्चित हुई। भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण से उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, सहायक उद्योगों के विस्तार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। इससे राज्य को देश के प्रमुख इस्पात उत्पादन केंद्र के रूप में और अधिक मजबूती मिली है।

पीएम-किसान से प्राप्त राशि का उपयोग छत्रपाल सिंह पूरी तरह खेती में करते हैं

रायपुर/ संवाददाता

कोरबा जिले के विकासखंड पोंडी-उपरोड़ा के ग्राम मादन के किसान छत्रपाल सिंह, पिता नेवरात सिंह कंवर, खेती को ही अपने परिवार की आजीविका का मुख्य आधार मानते हैं। वे एक साधारण किसान हैं और परिवार में पत्नी तथा दो बच्चों की जिम्मेदारी है। सीमित आय, बढ़ती कृषि लागत और खेती में लगातार बढ़ते खर्चों के कारण वर्षों तक उनके लिए परिवार का भरण-पोषण करना एक बड़ी चुनौती रहा। खेती हमेशा से ऐसा कार्य रहा है जिसमें खर्च पहले करना पड़ता है और आमदनी बाद में मिलती है। बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी के बढ़ते खर्चों ने कई बार उन्हें मुश्किल स्थिति में ला खड़ा किया। समय पर पूँजी उपलब्ध न होने के कारण वे उन्नत बीज या आवश्यक दवाइयाँ नहीं खरीद पाते थे, जिससे फसल प्रभावित होती थी। धान कटाई के समय मजदूरों का भुगतान करना भी कठिन हो जाता था और कई बार उन्हें मजबूरी में उधार लेना पड़ता था। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव शुरू हुए। योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 6000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में मिलने लगी। भले ही यह राशि बहुत बड़ी न लगे, लेकिन सही समय पर मिल जाने से उनके लिए यह बहुत बड़ी राहत बन गई। पीएम-किसान से प्राप्त राशि का

उपयोग छत्रपाल सिंह पूरी तरह खेती में करते हैं। खरीफ मौसम में वे अच्छे और उन्नत किस्म के बीज खरीद पाते हैं। फसल में कीट या रोग लगने पर समय से दवाइयाँ ला सकते हैं। धान कटाई के समय मजदूरों का भुगतान भी बिना किसी तनाव के कर पाते हैं। इन सभी परिवर्तनों के कारण उनकी फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और अब उन्हें खेती के दौरान आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। इस सहायता ने उनके परिवार की जिम्मेदारियों को भी सहज बनाया है। वे अपने बड़े बच्चे की पढ़ाई के लिए समय पर कॉपी-किताबें, कपड़े और अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीद पाते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा बिना किसी अवरोध के जारी है और उनका भविष्य सुरक्षित हो रहा है। छत्रपाल सिंह कहते हैं कि पीएम-किसान योजना ने न केवल आर्थिक रूप से उन्हें मजबूती दी है, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान भी प्रदान किया है। अब उन्हें साहूकार से कर्ज लेने या किसी के आगे हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

उप मुख्यमंत्री साव ने खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए मशाल गौरव यात्रा को दिखाई हरी झंडी.....

■ फरवरी में छत्तीसगढ़ में होगा आयोजन, देशभर के जन जातीय खिलाड़ी 7 खेलों में दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के प्रचार-प्रसार के लिए मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रचार-प्रसार के लिए यह वाहन राज्य के सभी जिलों में जाएगी। आयोजन के शुभंकर मोरवीर, थीम-सांग और मशाल के साथ प्रदेशभर में घूम-घूमकर यह लोगों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की जानकारी देगी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय से मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को मिली है। उन्होंने इसके लिए भारत सरकार तथा केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अगले माह फरवरी में होने वाले इस आयोजन के बारे में लोगों को जानकारी देने आज मशाल गौरव यात्रा को रवाना किया गया है। खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इनमें हॉकी, फुटबॉल, तीरंदाजी, तैराकी, कुश्ती, एथलेटिक्स और वेट-लिफ्टिंग शामिल हैं। इन खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए आगामी 7 जनवरी और 8 जनवरी को ट्रायल का आयोजन किया गया है। बिलासपुर स्थित स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में तीरंदाजी, तैराकी और एथलेटिक्स के लिए ट्रायल प्रक्रिया आयोजित की गई है। वहीं हॉकी, फुटबॉल, कुश्ती और वेट-लिफ्टिंग के लिए ट्रायल रायपुर के स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम कोटा में होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव द्वारा मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाए जाने के दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती रश्मि ठाकुर और अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

सांसद ने सियान गुड़ी वरिष्ठजन क्रियाकलाप एवं मनोरंजन केंद्र का किया गया शुभारंभ..

■ बुजुर्गों की सेवा ही सच्ची आराधना, उनके अनुभव समाज की सबसे बड़ी पूंजी : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को राजधानी के समता कॉलोनी स्थित दिव्यांग बालिका विकास गृह परिसर में महाराष्ट्र मंडल द्वारा नवनिर्मित सियान गुड़ी-वरिष्ठजन क्रियाकलाप एवं मनोरंजन केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। यह केंद्र वरिष्ठजनों के सम्मान, सक्रिय जीवनशैली और आत्मनिर्भरता को समर्पित एक अभिनव एवं सराहनीय पहल है।

जिसके लिए महाराष्ट्र मंडल को बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि, सियान गुड़ी केंद्र में वरिष्ठजनों के लिए मनोरंजन, रचनात्मक गतिविधियाँ, संवाद, योग, मानसिक एवं शारीरिक सक्रियता के साथ-साथ उनके अनुभव और कौशल को समाज से जोड़ने की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे वे आत्मसम्मान के साथ सक्रिय जीवन जी सकें। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उनका अनुभव, मार्गदर्शन और आशीर्वाद जीवन की अमूल्य धरोहर है। जिन घरों में बुजुर्ग होते हैं, वहाँ अलग से भगवान की पूजा की आवश्यकता नहीं—बुजुर्गों की सेवा ही सच्ची आराधना है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता वृद्धाश्रमों की नहीं, बल्कि डे-केयर सेंटर्स की है, जहाँ दिन में बुजुर्गों को विविध गतिविधियों से जोड़ा जाए और शाम को ससम्मान उनके घर लौटाया जाए। बुजुर्गों को सहानुभूति नहीं, सम्मानजनक सहयोग चाहिए। उनकी स्किल और अनुभव को समाज से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल में आयोजित 9वीं राष्ट्रीय रिंग फइट चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजधानी के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया।

भागीरथी प्रयास से 5 ऐतिहासिक तालाबों के लिए 28.05 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जल संपदा और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में केंद्र सरकार ने एक मील का पत्थर स्थापित किया है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के 5 प्रमुख तालाबों के कायाकल्प के लिए 28.05 करोड़ की भारी-भरकम राशि को आधिकारिक मंजूरी प्रदान कर दी है। गौरतलब है कि केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने स्वयं रतनपुर के तालाबों में उतरकर श्रमदान किया था और जल संरक्षण का संदेश दिया था। उनके उस व्यक्तिगत जुड़ाव और 'भागीरथी प्रयास' का ही परिणाम है कि आज इन तालाबों के पुनर्जीवन और सौंदर्यीकरण के लिए इतनी बड़ी राशि स्वीकृत हुई है।

धान खरीदी 2025-26

किसानों के आत्मविश्वास और आर्थिक मजबूती की नई पहचान

■ शासन की बेहतर व्यवस्था से किसान पुरुषोत्तम लाल को मिला भरोसा और राहत

रायपुर/ संवाददाता

राज्य के सभी जिले में जारी धान खरीदी अभियान 2025-26 किसानों के लिए आत्मविश्वास, भरोसे और आर्थिक संबल का सशक्त आधार बनकर उभर रहा है। समर्थन मूल्य पर पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित धान खरीदी तथा कृषक उन्नति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिली है। शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल की समर्थन मूल्य दर एवं प्रति एकड़ 21 क्विंटल की उपार्जन सीमा के तहत की जा रही धान खरीदी से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है। समयबद्ध भुगतान व्यवस्था ने किसानों की आर्थिक चिंताओं को काफी हद तक कम किया है। विकासखण्ड सक्ती के ग्राम रेडा निवासी किसान पुरुषोत्तम लाल राठौर ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष धान उपार्जन केंद्र किरारी जिला सक्ती में कुल 137.20 क्विंटल धान का विक्रय किया है। बेहतर समर्थन मूल्य और समय पर भुगतान से उन्हें बड़ी आर्थिक राहत मिली है, जिससे वे परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ आगामी फसल की तैयारी भी सहजता से कर पा रहे हैं। किसान पुरुषोत्तम लाल ने कहा कि अब धान उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक सुदृढ़ और किसान-हितैषी हो गई हैं। त्वरित तौल, पारदर्शी प्रक्रिया, भीड़-भाड़ से राहत तथा समय पर भुगतान जैसी सुविधाओं ने किसानों में संतोष और विश्वास का माहौल तैयार किया है। किसान पुरुषोत्तम लाल राठौर ने शासन द्वारा लागू की गई किसान-हितैषी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन व्यवस्थाओं से किसान अब निश्चिंत होकर अपनी उपज का विक्रय कर पा रहे हैं और भविष्य के प्रति आशान्वित हैं।

किसान शीतल दास-मेहनत, विश्वास और सरकारी सहयोग से बदली जिंदगी

कोरबा जिले के करतला विकासखंड के ग्राम बैगापाली के किसान शीतल दास के पास लगभग 14 एकड़ कृषि भूमि है। पिछले कई वर्षों से वे धान की खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। वर्ष 2024-25 में भी उन्होंने धान की उत्तम फसल ली। शीतल दास ने गत वर्ष 280 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र कनकी में बेचा था और इस वर्ष भी उन्होंने 280 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र कनकी में विक्रय के लिए पहुंचाया। किसान शीतल दास बताते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी सीमा और धान का 3100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य किसानों के लिए बड़ा सहारा बना है। वे बताते हैं कि अब उपार्जन केंद्रों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। पहले के समय में किसानों को टोकन के लिए लंबी कतारें लगानी पड़ती थीं, अक्सर टोकन नहीं मिलता था और पूरा दिन व्यर्थ चला जाता था। लेकिन अब सरकार द्वारा ऑनलाइन टोकन व्यवस्था लागू करने से किसान अपनी सुविधा अनुसार टोकन प्राप्त कर धान बेच सकते हैं। शीतल दास के अनुसार उनकी खेती ही उनके जीवन-यापन का मुख्य आधार है। पिछले वर्ष धान बेचने के बाद प्राप्त राशि से उन्होंने अपने घर के निर्माण के साथ अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा किया। उनका कहना है कि समय पर मिलने वाला समर्थन मूल्य और सुधारित उपार्जन व्यवस्था ने किसानों का विश्वास मजबूत किया है।

संपादकीय

दिल्ली-एनसीआर में सांसों का संकट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियां आते ही यहां के बाशिंदों की सांसों पर संकट मंडराने लगता है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद यहां की वायु स्वच्छ नहीं हो पा रही है। हवा में घुलता प्रदूषण का जहर आमजन की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालत यह है कि मंगलवार को दिल्ली का वायु गणवत्ता सूचकांक चार सौ अंक पार कर गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली से सटे नोएडा की पहचान तो देश के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में की गई।दिल्ली हाई कोर्ट ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी 'आपात स्थिति' में सरकार को वायु साफ करने वाले उपकरणों (एअर प्यूरीफायर) पर कर में छूट देने को लेकर विचार करना चाहिए। इसके लिए जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। ऐसे में सवाल है कि आखिर शासन एवं प्रशासन प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कोई स्थायी एवं प्रभावी योजना लागू क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि जो उपाय लागू किए गए हैं, क्या उन पर व्यावहारिक रूप से अमल हो पा रहा है या नहीं।यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है कि आखिर दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो कभी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती वाहनों की संख्या तथा उद्योग और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों को वजह बताया जाता है। मगर इन दिनों तो पराली जलाने की घटनाएं भी बहुत कम सामने आ रही है, फिर दिल्ली की वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी तक कैसे पहुंच रहा है!जाहिर है कि इसके पीछे कोई एक वजह नहीं हो सकती, इसलिए प्रदूषण के सभी स्रोतों का ईमानदारी से आकलन करने की जरूरत है। दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के सुझाव पर अगर वायु साफ करने वाले उपकरणों पर सरकार जीएसटी में छूट दे देती है, तो इसका लाभ भी आर्थिक रूप से सक्षम तबके तक ही सीमित रहेगा।बाकी आम लोगों को तो जहरीली हवा में ही सांस लेना पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य की चिंता कौन करेगा।

नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं पर उत्पीड़न एक लंबे अरसे से चली आ रही समस्या है, जबकि उसके उदय में भारत सरकार की परोक्ष भूमिका रही है। कभी पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले बंगलादेश में अक्सर इस्लामिक कट्टरता ब्रेक के बाद मुखर हो जाती है, जो राजनीतिक अस्थिरता के दौरान अमूमन तेज हो जाती है। यह भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है और दुनियाभर में अल्पसंख्यक समूह के उत्पीड़न पर संयुक्त राष्ट्र संघ की विफलता का द्योतक है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आखिर खामोश क्यों हैं दुनिया के लोग?

(कमलेश पांडे)

हाल के दिनों में भारत और बंगलादेश के कूटनीतिक सम्बन्धों पर भी इन बातों का साफ असर महसूस किया जा सकता है।

यदि पुरानी बातें छोड़ भी दीं जाएं तो गत वर्ष यानी 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा में पुनः उछाल आया है, जिसमें मंदिरों पर हमले, घरों में लूटपाट और हत्याएं शामिल हैं। इस पर भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महज खानापूर्ति वाली प्रतिक्रिया से वहां हिंदुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इससे भारत में भी बंगलादेश विरोधी उत्तेजना स्वाभाविक है।

यदि हालिया घटनाओं पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। इसकी एक बड़ी वजह बंगलादेश में हिंदुओं की जनसंख्या में निरंतर कमी होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि 1971 में हिंदू बांग्लादेश की आबादी का 22 प्रतिशत थे, जो अब घटकर 8 प्रतिशत से कम रह गए हैं, जो मुख्यतः उत्पीड़न और पलायन के कारण हुआ है।

एक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च के मुताबिक, 16 लाख हिंदू भारत चले गए, क्योंकि बंगलादेश में हिंदुओं की भूमि हड़पना, बलात्कार और मंदिर तोड़फोड़ आम अपराध हैं। इससे जुड़े आंकड़े और रिपोर्ट की मानें तो 2025 के पहले छह महीनों में 258 हिंसा की घटनाएं हुईं, जिनमें 20 बलात्कार और 59 पूजा स्थलों पर हमले शामिल हैं। कुल 4 अगस्त 2024 से जून 2025 तक 2,244 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। जबकि अंतरिम सरकार पर निष्क्रियता का आरोप है, जिससे अपराधी बेखौफ हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बंगलादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस ने बांग्लादेश में हिंदू हत्याओं पर प्रत्यक्ष रूप से कोई स्पष्ट सार्वजनिक बयान या ठोस

कार्रवाई नहीं की है, जिससे उनकी सरकार पर निष्क्रियता के आरोप लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में हिंसा को उनकी कथित कट्टरपंथी नीतियों से जोड़ा गया है, लेकिन आधिकारिक प्रतिक्रिया में केवल सामान्य शांति अपील तक सीमित रहने का उल्लेख है। इसलिए उनपर आरोप लगते हैं और आलोचना भी होती है कि युनुस सरकार पर जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों को संरक्षण दे रहे हैं, जिसके बाद हिंदू हत्याओं में वृद्धि हुई।

वहीं, भारतीय मीडिया और विपक्षी नेता भी उन्हें हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि युनुस ने भारत के दबाव में जांच के वादे किए बिना कोई स्पष्ट स्टैंड नहीं लिया। जहां तक अंतरराष्ट्रीय दबाव की बात है तो भारत और ब्रिटेन जैसे देशों ने युनुस से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं दिखा। वहीं, बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने निर्वासन से युनुस पर हिंदू उत्पीड़न को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। जहां तक इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का सवाल है तो भारत सरकार ने लोकसभा में मामले उठाया, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने विरोध प्रदर्शन किए। वहीं, ब्रिटिश सांसदों ने युनुस सरकार पर कार्रवाई की मांग की।

बता दें कि भारत विदेशों में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को मुख्य रूप से कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाने और संबंधित देशों से न्याय की मांग करके रोकने का प्रयास करता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया घटनाओं पर विदेश मंत्रालय ने सख्त बयान जारी किए हैं, जहां दोषियों को सजा देने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। जहां तक कूटनीतिक प्रयास की बात है तो भारतीय विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और घरों पर हमलों की कड़ी निंदा करता है तथा अंतरिम सरकार से कार्रवाई की अपेक्षा रखता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ढाका में बांग्लादेशी समकक्ष से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चर्चा की। वहीं भारत उचित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा उजागर करता है, लेकिन सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार मानता है। जहां तक गृह मंत्रालय की भूमिका की बात है तो गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर विशेष समिति गठित की है जो हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति की निगरानी करती है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उत्पीड़ित हिंदू, सिख आदि को भारत में शरण प्रदान की जा रही है।

वहीं, विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों ने भी इस मामले में पहल की है। खासकर आरएसएस ने अपनी शताब्दी बैठक में विदेशों में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए संकल्प पारित किया तथा संरक्षण तंत्र की मांग की। जबकि कुछ विश्लेषकों ने राइट टू प्रोटेक्ट सिद्धांत अपनाने का सुझाव दिया है, जिसमें सीमा पर सुरक्षित क्षेत्र बनाने जैसे कदम शामिल हैं।हालांकि इस दिशा में चुनौतियां की काफी हैं, क्योंकि भारत विदेशी सरकारों पर दबाव बनाता है, लेकिन प्रत्यक्ष हस्तक्षेप सीमित रहता है क्योंकि संप्रभुता का सम्मान किया जाता है। वहीं वैश्विक शक्तियां जैसे अमेरिका-ब्रिटेन भी हिंसा की निंदा करती हैं, जो भारत के प्रयासों को मजबूती देती हैं। पिछले साल आपने देखा होगा कि चिन्मय कृष्ण दास, बांग्लादेश संमिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता और पूर्व इस्कॉन नेता, को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी का मुख्य कारण चटगांव में 25 अक्टूबर को हुई रैली में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर केसरिया झंडा फहराने का आरोप था, जहां वे हिंदू अल्पसंख्यकों के आठ सूत्री मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यक हिंसा के खिलाफ बड़े प्रदर्शनों (चटगांव और रंगपुर में) से जुड़ी थी, जिसे बांग्लादेशी अधिकारी राजद्रोह मानते हैं। बाद में चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम की हत्या के मामले में भी उन्हें आरोपी दिखाया गया, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसक झड़पों से उपजा। अप्रैल 2025 में हाईकोर्ट ने राजद्रोह मामले में जमानत दी, लेकिन स्टे लग गया और वे जेल में हैं।

इसका तत्काल प्रभाव यह हुआ कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किए, जिससे हिंसक झड़पें हुईं और एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन जैसे समूहों ने इस्कॉन पर प्रतिबंध की मांग की। इस मुद्दे पर भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी आई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गिरफ्तारी और जमानत अस्वीकार पर गहरी चिंता जताई तथा बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। इससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा, जहां भारत हिंदू अधिकारों पर जोर दे रहा है। इसका व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि यह घटना बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न का प्रतीक बनी, जिससे वैश्विक स्तर पर अल्पसंख्यक अधिकारों पर बहस तेज हुई। चिन्मय दास हिंदू समुदाय के प्रतिरोध के चिह्न बन गए। यद्यपि भारत-बंगलादेश एक दूसरे के पूरक हैं, फिर भी उसपर बढ़ता पाकिस्तानी प्रभाव भारत के लिए चिंता का सबब है। लिहाजा भारत सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह बंगलादेश के साथ कूटनीतिक स्तर पर कड़ाई बरते। अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी स्तर पर प्रतिबंध लगाए। उसको शह देने वाले पाकिस्तान की नकेल कसे। यदि अमेरिका-चीन की भूमिका सामने आए तो उनके खिलाफ भी स्पष्ट और सख्त रुख दिखाया जाए कि आसेतु हिमालय में न तो किसी की दादागिरी चलेगी और न ही किसी तरह के षड्यंत्र को चलने दिया जाएगा। भारत सरकार इस मुद्दे पर खड़ी रणनीति अपनाए और एकबारगी सख्त सैन्य कार्रवाई करके अपने मजबूत इरादे का परिचय दे, क्योंकि बिनु भय होंहिं न प्रीति...यह बात जगजाहिर है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जंक फूड की लत दे रही मोटापे और हार्मोनल असंतुलन को दावत

(अनन्या मिश्रा)

नमकीन, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और ब्रेकफास्ट सीरियल जैसी पैकेट बंद चीजें न सिर्फ बच्चों बल्कि युवाओं की पहली पसंद बन गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके पीछे छिपे खतरे बेहद गहरे होते हैं।

आज के समय में हमारी

दिनचर्या में सुविधाजनक और स्वादिष्ट दिखने वाला जंक फूड तेजी से जगह बना चुका है। खासकर दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जंक फूड की खपत काफी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अब यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुकी है। नमकीन, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और ब्रेकफास्ट सीरियल जैसी पैकेट बंद चीजें न सिर्फ बच्चों बल्कि युवाओं की पहली पसंद बन गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके पीछे छिपे खतरे बेहद गहरे होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जंक फूड के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं।

कई गुना बढ़ी बिक्री: करीब पिछले 15 सालों में भारत में पैक्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स की बिक्री काफी ज्यादा बढ़ गई है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक इस साल इन उत्पादों का मार्केट 50 बिलियन डॉलर के करीब पहुंच सकता है। यह तेज बढ़ोतरी एक्सपर्ट्स के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। क्योंकि इसका सीधा संबंध बढ़ते मोटापे और उससे जुड़ी बीमारियों से है।

मोटापा और हार्मोनल असंतुलनन्न वहीं जंक फूड में पोषण का संतुलन गायब होता है। जंक फूड में फाइबर, विटामिन या प्राकृतिक तत्वों की जगह नमक, चीनी, तेल और आर्टिफिशियल रंग होते हैं। यही कारण है कि इनको खाने के बाद पेट भर जाता है, लेकिन हमारे शरीर को जरूरी ऊर्जा नहीं मिल पाती है। वहीं हमें ऐसी चीजें बार-बार खाने की आदत डाल देती हैं। यह आदत धीरे-धीरे हार्मोनल असंतुलन, मोटापा और सेहत से जुड़ी अन्य समस्याओं को जन्म देती है। बता दें कि देश में मोटापे की स्थिति चिंताजनक है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों में मोटापे 12 प्रतिशत से बढ़कर 23 प्रतिशत तक पहुंच गया है। वहीं महिलाओं में यह 15 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत पहुंच चुका है। यानी की कुछ ही सालों में दोनों ही श्रेणियों में मोटापा करीब दोगुना बढ़ा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह बढ़ोत्तरी उतनी ही खतरनाक है, जितना कि प्रदूषण से फेफड़ों पर पड़ने वाली मार खतरनाक है।

अब नहीं संभले तो कब संभले

इन सभी बातों से साफ है कि जंक फूड का बढ़ता मार्केट सिर्फ स्वाद का मामला नहीं बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य चुनौती बन गया है। जरूर है कि लोग जागरुक हों, घर में स्वास्थ्यवर्धक ऑप्शन को प्राथमिकता दें और बच्चों में सही खानपान की आदतों को विकसित करना चाहिए। अगर अभी यह कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले सालों में मोटापा और इससे जुड़ी बीमारियां ज्यादा तेजी से बढ़ सकती हैं। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं।

(योगेंद्र योगी)

न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था।

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है।फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर

मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25त्न मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं। मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरने–प्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की। रैली में शामिल भीड़ ने अल्लाहू अकबर का नारा भी लगाया। जर्मनी में बहुसंख्यक आबादी ईसाई है, जबकि मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इन मुसलमानों में सबसे ज्यादा वो थे, जो अफ्रीकी और एशियाई देशों से शरण मांगने के लिए जर्मनी पहुंचे थे। हालांकि, नागरिकता मिलते ही उनके तेवर बदल गए और अब मूल आबादी को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी इस्लामिक आतंकवाद के दंश से व्यथित हो लगभग 13 लाख लोग यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे, यह दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात सबसे बड़ी शरणार्थी समस्या थी।नाइजीरियाई, पाकिस्तानी, इराकी और इरिट्रिया, और बाल्कन के आर्थिक प्रवासी भी इस यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे। यूरोप में अब तक 78,000 शरणार्थी और आप्रवासी आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार उनमें से आधे से ज्यादा ग्रीस पहुंचे हैं। उनमें 40 प्रतिशत परिवार अफगानिस्तान से हैं जबकि 20 प्रतिशत सीरिया से हैं।

यही वजह है कि इन देशों में चरमपंथी मुस्लिमों की हरकतों की वजह से पाबंदी लगाई जा रही हैं। दक्षिण-पूर्वी स्पेन के मर्सिया क्षेत्र के शहर जुमिला में लोकल काउंसिल ने ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा जैसे मुस्लिम त्योहारों को सिविक सेंटर्स और स्पोर्ट्स हॉल जैसी सार्वजनिक जगहों में मनाए जाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया। कट्टर इस्लामिक तत्वों ने बेल्जियम और स्वीडन जैसे शांतिप्रिय देशों में माहौल खराब कर दिया है। मुसलमानों ने इन देशों में अतिरिक्त अधिकारों की मांग की, सड़कें जाम की, सड़कों पर नमाज पढ़ कर शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी और ऐसी घटनाओं से स्थानीय यूरोपीय नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना घर कर गयी। यह निश्चित है कि सिडनी में हुई आतंकी घटना के दूरगामी परिणाम भी बेकसूर मुसलमानों को भुगतने पड़ेंगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आत्मसमर्पित नक्सलियों के समग्र पुनर्वास की दिशा में सशक्त पहल

पुनर्वास केन्द्र में 10 दिवसीय कृषि उन्मुख कार्यशाला का सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आत्मसमर्पित नक्सलियों के सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक पुनर्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कृषि आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने हेतु एक 10 दिवसीय विशेष कृषि कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला दिनांक 22 से 31 दिसम्बर 2025 तक जिला परियोजना लाइवलीहूड कॉलेज, नारायणपुर (गरांजी) में स्थित पुनर्वास केन्द्र में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से अवगत कराने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराने तथा मुख्यधारा के समाज से सम्मानजनक ढंग से जोड़ना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम को इस प्रकार तैयार किया गया, जिससे प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जानकारी प्राप्त हो सके। कार्यशाला के दौरान आत्मसमर्पित हितग्राहियों को खाद्य पदार्थों के विभिन्न समूहों एवं संतुलित आहार का महत्व, पोषण संबंधी आवश्यकताएं, मृदा स्वास्थ्य एवं मृदा संरक्षण की आधुनिक विधियां, मृदा परीक्षण एवं उर्वरता प्रबंधन, कृषि में लाख उत्पादन एवं उसकी आर्थिक संभावनाएं, विभिन्न फसलों में होने वाले पौध रोगों की पहचान एवं नियंत्रण, उन्नत एवं उपयोगी कृषि यंत्रों की जानकारी, गुणवत्तायुक्त बीजों का चयन एवं उनका महत्व, कृषि कीटों की पहचान एवं उनके समन्वित प्रबंधन, जल एवं मृदा प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकें जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त 10 दिवसीय कार्यशाला में लिंगो मुदियाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, केरलापाल (नारायणपुर) के अनुभवी एवं विशेषज्ञ कृषि वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महाविद्यालय की कृषि विशेषज्ञ डॉ. रत्ना नशीने एवं अन्य शिक्षकों द्वारा सरल भाषा, स्थानीय उदाहरणों, व्यावहारिक अनुभवों एवं संवादात्मक शैली में प्रशिक्षण दिया गया, जिससे प्रतिभागियों को विषयों को गहराई से समझने एवं अपनाने में विशेष सहायता मिली। कार्यशाला के दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों ने अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा कृषि से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं, समस्याओं एवं भविष्य की योजनाओं को विशेषज्ञों के समक्ष रखा गया, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा तत्परता से किया गया। इस संवादात्मक प्रक्रिया ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी, उपयोगी एवं प्रेरणादायी बनाया। यह 10 दिवसीय कृषि कार्यशाला आत्मसमर्पित नक्सलियों के कौशल विकास, आत्मविश्वास निर्माण एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुई है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट रूप से सामने आया कि शासन एवं जिला प्रशासन आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्तियों को केवल पुनर्वास ही नहीं, बल्कि सम्मानजनक, स्थायी एवं आत्मनिर्भर भविष्य प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। जिला प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के कृषि, कौशल विकास एवं स्वरोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, स्थायी एवं समाजोपयोगी बनाने की योजना तैयार की गई है।

शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिव कुमार का राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के छात्र शिव कुमार का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता के लिए हुआ है शिव उत्तर बस्तर सेक्टर क्रिकेट पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह चयन शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर में आयोजित सेक्टर स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 2 जनवरी से 6 जनवरी 2026 तक विप्र महाविद्यालय रायपुर में होगा, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से कुल 11 सेक्टरों की टीमें भाग लेंगी। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु ने बताया कि प्राचार्या डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से महाविद्यालय में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित सभी खेलों का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत परिश्रम का परिणाम है कि छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। शिव कुमार के क्रिकेट राज्य स्तरीय प्रतियोगिता चयन पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थीयों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा आशा व्यक्त की कि वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेगी।

गौरव पथ पर शराब दुकान खोलने का विरोध कांग्रेस ने दी जनआंदोलन की चेतावनी

भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत केवटी मार्ग स्थित 'गौरव पथ' पर प्रीमियम मदिरा दुकान खोले जाने के निर्णय ने तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस पार्टी ने इसे शहर की सामाजिक मर्यादाओं और जनभावनाओं का खुला अनादर बताते हुए तीखा विरोध दर्ज किया है। पार्टी का कहना है कि जिस स्थान पर शराब दुकान स्वीकृत की गई है, वह धार्मिक, शैक्षणिक और सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है।

धार्मिक स्थलों और स्कूलों की अनदेखी का आरोप - कांग्रेस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रस्तावित मदिरा दुकान के ठीक सामने शिव मंदिर और कुछ ही दूरी पर गुरुद्वारा साहिब स्थित है। इतना ही नहीं, दुकान के पीछे स्कूल संचालित है और पास ही सघन रिहायशी मोहल्ला व गैस एजेंसी भी है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ 'धर्म और संस्कार' की राजनीति की जाती है, तो दूसरी तरफ धार्मिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों की शुचिता को ताक पर रखकर शराब की दुकान खोली जा रही है। इससे स्कूल में पढ़ने वाले मासूम बच्चों के मानस पटल पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गहराता संकट - विज्ञप्ति में क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का हवाला देते हुए बताया गया कि माइंस एरिया होने के कारण इस मार्ग पर भारी वाहनों के परिवहन का दबाव पहले से ही अधिक है। मुख्य मार्ग पर शराब दुकान खुलने से - शराब पीकर वाहन चलाने की घटनाएं बढ़ेंगी। सड़क दुर्घटनाओं और जनहानि की आशंका प्रबल होगी। सार्वजनिक शांति और कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा पैदा होगा।

प्रशासन से की गई तीन प्रमुख मांगें - कांग्रेस पार्टी ने प्रशासन के समक्ष स्पष्ट रूप से निम्नलिखित मांगें रखी हैं - मदिरा दुकान को वर्तमान संवेदनशील स्थान से तत्काल स्थानांतरित किया जाए। धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों से निर्धारित दूरी के नियमों का कड़ाई से पालन हो। जन सुरक्षा और सामाजिक शांति को प्राथमिकता दी जाए।

आर-पार की लड़ाई का ऐलान - कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि यह संघर्ष किसी दल विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि शहर की गरिमा और बच्चों के भविष्य की रक्षा के लिए है। यदि प्रशासन ने समय रहते इस निर्णय को वापस नहीं लिया, तो क्षेत्र की जनता और विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन छेड़ा जाएगा।

धान खरीदी के 45 दिन बीते, केंद्रों से अब तक नहीं हुआ 'एक दाना' का उठाव

भानुप्रतापपुर। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हुए डेढ़ महीने का समय बीत चुका है, लेकिन भानुप्रतापपुर क्षेत्र के खरीदी केंद्रों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। धान खरीदी के इतिहास में संभवतः यह पहली बार है जब 15 नवंबर से शुरू हुई खरीदी के 45 दिनों बाद भी केंद्रों से धान का परिवहन उठाव शुरू नहीं हो सका है। नियमों के मुताबिक, धान खरीदी के 72 घंटों के भीतर केंद्रों से उठाव हो जाना चाहिए, लेकिन यहां हफ्तों बीत जाने के बाद भी धान खुले आसमान के नीचे पड़ा हैं। नियम 72 घंटे का है और यहां 45 दिन हो गए। अगर समय पर उठाव नहीं हुआ तो सूखत के कारण कई क्विंटल का घाटा तय है। हम बेहद दबाव में काम कर रहे हैं। इस सुस्त परिवहन व्यवस्था ने सरकार और प्रशासन के दावों पर सवालिया निशान लगा दिया है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस ओर कब ध्यान देता है और कब केंद्रों को इस जाम से मुक्ति मिलती है।

आंकड़ों की नजर में वर्तमान स्थिति - भानुप्रतापपुर क्षेत्र के 9 केंद्रों में अब तक कुल 2,874 किसानों ने अपना पसीना बेचकर 1,63,246 क्विंटल धान केंद्रों तक पहुंचाया है। केंद्रवार खरीदी के प्रमुख आंकड़े इस प्रकार हैं।

संबलपुर - 40,212.
दमकसा - 27,188 .
भानबेड़ा - 23,586 .
केवटी - 19,658 .
भानुप्रतापपुर - 18,094.
हाटकोंदल - 13,852 .
असुलखार - 12,917 .
पुजारीपारा - 9,947.
कच्चे - 8,499 .

प्रभारियों और किसानों में बढ़ता आक्रोश - परिवहन न होने से न केवल व्यवस्था चरमरा रही है, बल्कि कई गंभीर समस्याएं भी खड़ी हो गई हैं, खरीदी प्रभारियों का कहना है कि धान लंबे समय से बाहर पड़ा है, जिससे नमी कम हो रही है और धान सूख रहा है। इससे वजन में भारी कमी आएगी, जिसकी भरपाई करना प्रभारियों के लिए मुश्किल होगा। संबलपुर जैसे बड़े केंद्रों में 40 हजार क्विंटल से अधिक धान जमा है। उठाव न होने के कारण नए धान को रखने के लिए अब जगह नहीं बची है। खरीदी लिमिट न बढ़ाने और परिवहन में देरी से नाराज किसान सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

नए साल की नई शुरूवात : कलेक्टर-एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

सुकमा। नए वर्ष का संकल्प धरातल पर उतारते हुए कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने सुबह 7:30 बजे धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम नियद नेल्ला नार क्षेत्र के ग्राम गोगुंडा में दस्तक दी। कलेक्टर अमित कुमार और एसपी किरण चव्हाण के साथ घने जंगलों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों को पार कर ग्रामीणों के बीच पहुँचे अधिकारियों ने न केवल उनकी पीड़ा और बुनियादी समस्याओं को सीधे संवाद के माध्यम से सुना, बल्कि त्वरित न्याय और विकास का भरोसा देते हुए मौके पर ही कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। प्रशासन का यह संवेदनात्मक कदम शासन और जनता के बीच की दूरी को पाटते हुए सुदूर अंचलों में विश्वास की एक नई किरण जगाने वाला सिद्ध हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि किया कि शासन की मंशा है कि दूरस्थ अंचलों के ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ गांव में ही मिले, इसके लिए प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ कार्य करें।

गोगुंडा में ही होगा राशन भंडारण एवं वितरण - कलेक्टर अमित कुमार ने निर्देश दिए कि अब गोगुंडा में ही राशन का भंडारण एवं वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके तहत पीडीएस भवन की स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नए वर्ष से गोगुंडा में ही राशन वितरण प्रारंभ होगा, जिससे ग्रामीणों को अब लंबी दूरी तय कर बड़ेसेट्टी नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही ई-केवाईसी, राशन कार्ड में नाम जोड़ने और लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

पानी, सड़क, बिजली और आवास को प्राथमिकता - कलेक्टर कुमार ने गोगुंडा में पेयजल, सड़क, बिजली एवं आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुलेर से गोगुंडा मार्ग को आवश्यक सुधार कार्य हेतु चिन्हांकित करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवागमन सुगम बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों के साथ-साथ प्रशासनिक सेवाओं की पहुंच भी आसान हो। उन्होंने स्व सहायता समूह में महिलाओं को जोड़कर आजीविका प्रदान करने के दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नियमित हेल्थ जांच, स्वास्थ्य शिविर एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने आईडी ब्लास्ट से प्रभावित पीड़ित से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली और संबंधित विभागों को समुचित सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का तीन चरणों में चला आंदोलन संपन्न, अंतिम दिन रैली निकालकर शासन को सौंपा गया ज्ञापन

पखांजूर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले प्रदेशभर के कर्मचारियों व अधिकारियों द्वारा अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर चलाया जा रहा तीन चरणों का राज्यव्यापी आंदोलन आज अपने अंतिम चरण में संपन्न हो गया। आंदोलन के अंतिम दिन में पखांजूर में ब्लॉक स्तरीय कर्मचारी-अधिकारी बड़ी संख्या में एकजुट हुए और रैली निकालकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। फेडरेशन द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आंदोलन को तीन चरणों में आयोजित किया गया था। पहले चरण में जिला एवं संभाग स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर मांगों की ओर

शासन का ध्यान आकृष्ट किया गया। दूसरे चरण में सामूहिक धरना एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बाद तीसरे और अंतिम चरण में आज रैली निकालकर अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाया गया। रैली के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि लंबे समय से उनकी जायज मांगें लंबित हैं, लेकिन बार-बार ज्ञापन सौंपने और आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि महंगाई भत्ता (डीए) एवं महंगाई राहत का केंद्र के समान लाभ, लंबित खातों का नियमित संधारण, पदोन्नति एवं वेतन विसंगतियों का निराकरण, अर्जित अवकाश नकदीकरण, समयमान वेतनमान सहित अन्य प्रमुख मांगें अब भी लंबित हैं। फेडरेशन नेताओं ने कहा कि कर्मचारी प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शासन शीघ्र ही मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेता है, तो भविष्य में आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। रैली के समापन के पश्चात फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांगों का शीघ्र निराकरण कर कर्मचारियों को राहत प्रदान करने की अपील की गई है। आंदोलन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में कर्मचारियों की उपस्थिति से पखांजूर शहर का माहौल पूरी तरह आंदोलनमय नजर आया। फेडरेशन ने कहा कि अब शासन के निर्णय पर ही आगे की रणनीति तय की जाएगी।

किरंदुल श्रीराघव मंदिर में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ एवं दीपदान कार्यक्रम का हुआ

किरंदुल। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर विक्रम संवत 2082, पौष शुक्ल द्वादशी, बुधवार 31 दिसंबर की संध्या बैलाडीला देवस्थान श्री राघव मंदिर में श्री राम सेवा एवं कल्याण समिति एवं गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वाधान में नगरपरिवार द्वारा दीपदान, सामूहिक सुंदरकांड पाठ और महाआरती का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। संध्या 6:30 बजे से शुरू हुए आयोजन में नगर के बड़ी संख्या में सनातनी परिवार शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में

दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव मनाया और नगर की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इसके बाद सामूहिक सुंदरकांड पाठ एवं महाआरती में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन को लेकर पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। विदित हो की हिंदी तिथि गणना के अनुसार दो वर्ष पूर्व विक्रम संवत 2080, पौष शुक्ल द्वादशी की पावन, अलौकिक, ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय तिथि में अयोध्याजी में प्रभु श्री रामलला जी की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

श्री राघव मंदिर में उक्त ऐतिहासिक तिथि में देवी ऋचा मिश्रा जी की अमृत वाणी से दो दिवसीय श्री रामकथा का भव्य धार्मिक आयोजन श्री राम सेवा एवं कल्याण समिति (बैलाडीला देवस्थान समिति) एवं गायत्री परिवार के तत्वाधान में किया गया था। समिति द्वारा प्रभु श्री रामलला जी के आगमन के द्वितीय वर्षगांठ के सुअवसर पर नगरपरिवार से अपने-अपने घरों के समक्ष दीप प्रज्जवलित करने का आव्हान किया गया था, जिससे लौहनगरी में आज दीपोत्सव का भव्य नजारा देखने को मिला।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अंतर्गत विद्यार्थियों को किया जा रहा शैक्षणिक भ्रमण

नारायणपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिले के हायर सेकेण्डरी स्तर के चयनित विद्यार्थियों के लिए राज्य के बाहर आयोजित किए जा रहे शैक्षणिक भ्रमण हेतु 1 जनवरी को शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर के स्कूल मैदान में कलेक्टर नम्रता जैन ने हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। इस अवसर पर जिले के सेकेण्डरी स्तर के 10 चयनित विद्यार्थी शामिल हैं, जिन्हें विशाखापट्टनम स्थित पनडुब्बी संग्रहालय सहित अन्य शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान को

बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर नम्रता जैन ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भ्रमण के दौरान अधिक से अधिक सीखने और अपने अनुभवों को विद्यालय एवं सहपाठियों के साथ साझा करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल, शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा डीएमसी भवानी शंकर रेड्डी, शिक्षक, शिक्षिका एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

नगर विधायक अमर अग्रवाल शहर में आयोजित दो धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए

बिलासपुर। नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल शहर में आयोजित दो धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने समाज में संस्कार, सकारात्मकता और जनकल्याण का संदेश दिया। देवकीनंदन दीक्षित सभागार में आयोजित भागवत गीता से आनंद की प्राप्ति कार्यक्रम में नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस आयोजन का संचालन दुर्गोत्सव महिला समिति एवं मोर चिन्हारी छत्तीसगढ़ी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे महाराज जी ने उपस्थित लोगों को जीवन के प्रेरक वचनों से मार्गदर्शन प्रदान किया। विधायक श्री अग्रवाल ने गीता के उपदेशों को जीवन को सही दिशा देने वाला बताते हुए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। इसके पश्चात नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल मंगला क्षेत्र में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित हुए, जहाँ उन्होंने कथा श्रवण कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति एवं मंगल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी सद्भाव को मजबूती मिलती है। नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने दोनों आयोजनों के लिए आयोजक समितियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

बिलासपुर। रेलवे कर्मचारियों, उनके आश्रितों एवं पेंशनरों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं । इसी क्रम में छिंदवाड़ा रेलवे स्वास्थ्य इकाई में महिला चिकित्सक की सेवाएं प्रारंभ की गई हैं । इसके अतिरिक्त, रेलवे स्वास्थ्य इकाई नागभीड़ तथा उप-मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, नैनपुर में भी महिला चिकित्सक की सेवाएं जल्द शुरू की जाएगी । महिला चिकित्सक संबंधित रेलवे स्वास्थ्य इकाइयों में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी । इससे महिला रेलवे कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को विशेष रूप से लाभ प्राप्त होगा तथा महिला रोगियों को समयबद्ध परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी । समान उद्देश्य के तहत रायपुर एवं बिलासपुर मंडल की रेलवे स्वास्थ्य इकाइयों में भी महिला चिकित्सकों की सेवा व्यवस्था प्रस्तावित है, जिससे इन मंडलों में कार्यरत रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को भी बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें । महिला चिकित्सकों की इस व्यवस्था से चिकित्सकीय कार्यभार का संतुलन स्थापित होगा, महिला रोगियों को समुचित एवं समय पर उपचार प्राप्त होगा तथा रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं की समग्र कार्यक्षमता एवं प्रभावशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की स्वास्थ्य इकाइयों में महिला चिकित्सकों की उपलब्धता, चिकित्सा विभाग द्वारा रेलकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से रेखांकित करती है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में अभ्युदय स्मारक का महाप्रबंधक द्वारा अनावरण

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में आज अभ्युदय स्मारक का अनावरण महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा किया गया । यह स्मारक उन समस्त रेल कर्मयोगियों की मेहनत, समर्पण एवं कौशल को समर्पित है, जिनके अथक प्रयासों से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि अभ्युदय स्मारक कर्तव्यनिष्ठा, सामूहिक संकल्प एवं सतत परिश्रम का प्रतीक है । विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस स्मारक का निर्माण वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर तथा बिलासपुर रेल मंडल के रेल कर्मयोगियों द्वारा वेस्ट मटेरियल के नवोन्मेषी एवं रचनात्मक उपयोग से किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुन: उपयोग एवं सतत विकास के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है । स्मारक के केंद्र में निर्मित ट्रेन आधुनिक, सुरक्षित एवं तीव्र परिवहन व्यवस्था का प्रतीक है, जो बेहतर यात्री सेवाओं तथा लोगों को स्थानों और अवसरों से जोड़ने में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है ।

वंदे भारत एक्सप्रेस में महिला टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती से यात्री सुविधा, सुरक्षा एवं सेवा गुणवत्ता को नई मजबूती

नववर्ष 2026 पर बिलासपुर मंडल की अभिनव पहल

बिलासपुर। नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सेवा गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक अभिनव, प्रगतिशील एवं सराहनीय पहल की गई है । इस पहल के अंतर्गत बिलासपुरङ्कनागपुरङ्कबिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में दिनांक 01 जनवरी 2026 से टिकट जांच एवं निगरानी का दायित्व महिला टिकट चेकिंग स्टाफ को सौंपा गया है । यह नई एवं अभिनव पहल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्रारंभ की गई है। इस प्रयोग का उद्देश्य न केवल टिकट जांच व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं अनुशासित बनाना है, बल्कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए यात्रियों को सुरक्षित, संवेदनशील एवं सौहार्दपूर्ण यात्रा अनुभव प्रदान करना भी है। उल्लेखनीय है कि बिलासपुरङ्कनागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ङ्कस्ह्र 9001:2015 प्रमाणित बिलासपुर मंडल की एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रीमियम ट्रेन है, जिसमें यात्रियों को उत्कृष्ट आसंदी व्यवस्था, वाई-फाई सुविधा, आधुनिक इन्फोटेनमेंट प्रणाली, स्वचालित दरवाजे तथा

उच्च स्तरीय सुरक्षा मानकों जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अभिनव पहल के प्रमुख एवं विस्तृत लाभ :-महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा - रेल परिचालन जैसे उत्तरदायित्वपूर्ण क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी से उनकी कार्यक्षमता, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को नया मंच प्राप्त होगा। यह पहल कार्यस्थल पर लैंगिक समानता को भी सुदृढ़ करती है। महिला यात्रियों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना - महिला टिकट चेकिंग स्टाफ की उपस्थिति से विशेषकर महिला यात्रियों को यात्रा के दौरान अधिक सुरक्षित, सहज एवं आत्मीय वातावरण का अनुभव होगा, जिससे उनकी यात्रा अधिक निश्चिंत एवं सुखद बनेगी। सौम्य, मधुर एवं संवेदनशील व्यवहार का लाभ - महिला टिकट चेकिंग स्टाफ का व्यवहार स्वाभाविक रूप से सौम्य, मधुर एवं संवादपरक होने के कारण यात्रीगण अपनी शिकायतें, सुझाव एवं समस्याएं अधिक सहजता से साझा कर सकेंगे। इससे त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा और सेवा गुणवत्ता में सुधार आएगा। यात्री व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन - संवाद की शैली अधिक विनम्र, सहयोगात्मक एवं संवेदनशील होने से यात्रियों के व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव आएगा, जिससे विवाद की संभावना न्यूनतम होगी और यात्रा वातावरण अधिक सौहार्दपूर्ण बनेगा। टिकट जांच व्यवस्था में पारदर्शिता एवं अनुशासन - बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा, जिससे न केवल व्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि रेलवे राजस्व में भी वृद्धि सुनिश्चित होगी। सेवा गुणवत्ता एवं यात्री संतुष्टि में वृद्धि - संगठित, संवेदनशील एवं उत्तरदायी टिकट जांच प्रणाली से यात्रियों की संतुष्टि में वृद्धि होगी और वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों की सेवा छवि और अधिक सशक्त होगी। रेलवे की प्रगतिशील एवं आधुनिक छवि को बल - यह पहल भारतीय रेलवे को एक समावेशी, संवेदनशील, आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित संगठन के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप है।

कलेक्टर संजय ने किया ब्रेल लिपि कैलेण्डर का विमोचन

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में ब्रेल लिपि तैयार कैलेण्डर का विमोचन किया। यह कैलेण्डर ब्रेल प्रेस, समाज कल्याण विभाग द्वारा दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए वर्ष 2026 का ब्रेल लिपि में तैयार किया गया है। जिसमें ब्रेल के साथ ही लो-विजन के दृष्टिबाधितों का ध्यान रखते हुये सभी शासकीय सामान्य अवकाश, ऐच्छिक अवकाश को शामिल किया गया है। कैलेण्डर को ब्रेल प्रेस के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया हैं। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने ब्रेल लिपि कैलेण्डर की प्रसन्नता करते हुये कहा कि सामान्य लागों के साथ ही दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल प्रेस, समाज कल्याण बिलासपुर का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ भी दी।

विमोचन के समय एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, संयुक्त संचालक समाज कल्याण श्री टीपी भावे, उपनियंत्रक श्रीमति बबीता कमलेश, सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री प्रशांत मोकासे, श्री उत्तमराव माथनकार, श्री दीक्षांत पटेल, श्री आर पी मण्डल, कु. पूर्णिमा पाण्डे, श्री संतोष देवांगन, श्री रमाशंकर शुक्ला, दुर्गेश धीवर, शालिनी त्रिपाठी, नीतू दीवान, वामसी कृष्णा मौजूद थे।

कोपरा जलाशय में मछली मारने पर लगा प्रतिबंध.....

बिलासपुर। रामसर साइट घोषित होने के बाद कोपरा जलाशय में मछली मछली मारने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर मछलीपालन विभाग द्वारा इस आशय के आदेश जारी किए गए हैं। मालूम हो कि राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्रीय सरकार द्वारा बिलासपुर शहर के नजदीक कोपरा जलाशय को एक माह पहले रामसर साइट घोषित किया गया है। बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पक्षियों का यह बसेरा है। बड़ा लुभावना दृश्य शीतकाल में यह तालाब बिखेरता है। मछलीपालन विभाग ने आसपास के ग्रामों में मछली मारने की मनाही संबंधी सूचना की मुनादी कराया है। प्रमुख रूप से इनमें सैदा , बेलमुंडी, कोपरा, सकरा, बूटेना, अमसेना, बहुतराई, पाड़ एवं सरसेनी के सरपंचों को भी इसकी सूचना से अवगत कराकर मछली मारने पर विभाग को सूचित करने कहा गया है। मछली मारते पकड़े जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम राज्य स्तरीय कैंपोरी का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय के तत्वावधान में दिनांक 02 जनवरी 2026 से 04 जनवरी 2026 तक प्रथम राज्य स्तरीय कैंपोरी का आयोजन रेलवे प्राइमरी स्कूल बुधवारी बाजार प्रांगण में किया जा रहा है। इस राज्य स्तरीय कैंपोरी में बिलासपुर मंडल, रायपुर मंडल एवं नागपुर मंडल से स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर तथा यूनिट लीडर सहित कुल लगभग 250 प्रतिभागी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। यह राज्य स्तरीय कैंपोरी आगामी भारतीय रेलवे जंबोरेट, जो कि लिलुआ (ईस्टर्न रेलवे) में दिनांक 17 जनवरी 2026 से 21 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाली है, के पूर्व अभ्यास एवं तैयारी के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। शिविर के दौरान जंबोरेट में प्रस्तावित विभिन्न प्रतियोगिताओं, गतिविधियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यावहारिक अभ्यास कराया जा रहा है। इस शिविर का आयोजन श्री धीरेंद्र कुमार सिंह, स्टेट सेक्रेटरी एवं प्रिंसिपल, मल्टी डिस्पेंसरी ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर तथा श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बिलासपुर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उक्त राज्य स्तरीय कैंपोरी का समग्र आयोजन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दिलीप कुमार स्वाई के नेतृत्व में सफ्लतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह कैंपोरी प्रतिभागियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

एसईसीएल मुख्यालय के 4 कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर भाव भीनी विदाई दी गयी

बिलासपुर। दिनांक 31.12.2025 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले 4 कर्मियों को अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक (योजना/परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र एवं विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में शाल, श्रीफ्ल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी। सेवानिवृत्त होने वालों में श्री दीपक पंड्या महाप्रबंधक (खनन), श्री अनिल कुमार पांडेय महाप्रबंधक (औ. अभि.) औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग, श्री प्रीतिश रंजन टीकादर वरीय प्रबंधक (वि./यां.) योजना परियोजना विभाग शामिल रहे। शीर्ष प्रबंधन ने अपने उद्बोधनों में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से एसईसीएल को सफ्लता की नई ऊँचाइयों तक लेकर गए हैं। उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। प्रबंधन ने सभी के उज्ज्वल भविष्य और सुखद पारिवारिक जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसईसीएल में कार्य करना गौरव का विषय रहा। उन्होंने कहा कि यहाँ के अधिकारी और कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं और किसी भी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय उप प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने सफ्लतापूर्वक किया।

राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता संपन्न हुआ 11 राज्यों के 580 खिलाड़ियों ने लिया भाग....

बिलासपुर। खेलो ताइक्कांडो यूथ स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा 29 से 31 दिसंबर 2025 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल परिसर हॉल सरकंडा में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी श्री राम गोपाल करियारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षिका डॉ. अर्चना झा एवं खेलो ताइक्कांडो यूथ स्पोर्ट्स फेडरेशन के डायरेक्टर रिमझिम गुप्ता, अध्यक्ष टी आर बाबा पात्रे, मास्टर राजकुमार यादव, संरक्षक, महासचिव इंटरनेशनल मास्टर गणेश सागर उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 11 राज्य के 580 खिलाड़ियो ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रेशर, पी वी, सब जूनियर, जूनियर, कैडेट, जूनियर, सीनियर पुरुष, महिला ने भाग लिया। आल ओवर चौंपियनशिप का किताब मध्य प्रदेश राज्य ने जीता, दूसरा स्थान छत्तीसगढ़ रहा, तीसरा स्थान उत्तर प्रदेश, चौथा स्थान ओडिशा राज्य, पांचवा स्थान जम्मू कश्मीर, छठवां स्थान दिल्ली, सातवां स्थान वेस्ट बंगाल और आठवां स्थान गुजरात, नौवा स्थान महाराष्ट्र ने हासिल किया। सभी पदक विजेताओं को अवॉर्ड खेलो ताइक्कांडो यूथ स्पोर्ट्स फेडरेशन का स्टेट हेड को श्लेष रिबन, अवार्ड, मोमेंटो, ब्लेजर, टीम ट्रॉफी, कोचों को ट्रैक सूट और ऑफिसियल को मोमेंटो, टी शर्ट सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। वहीं पर बेस्ट फाइटर के रूप में बेस्ट खिलाड़ियों को बेस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन तैनात थी और डॉक्टर की टीम एवं एंबुलेंस मौजूद थे। छत्तीसगढ़ का यह सबसे बड़ा प्रतियोगिता था छत्तीसगढ़ में जितने भी

खिलाड़ियों ने मेडल जीता है उस खिलाड़ियों को इंटरनेशनल जाने का मौका मिलेगा। मास्टर गणेश सागर ने बताया कि इस प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में मुख्य भूमिका आर्गेनाइजर चन्द्र प्रकाश, आशीष यादव, हरि भास्कर, इशू गेंदले, विमल साहू, डीलेश चंद्र, पल्लवी यादव, हर्षिता श्रीवास, गीता बरगाह की अहम भूमिका रही। मेडल प्राप्त खिलाड़ियों के लिए नि:शुल्क कैंप भी आयोजित किया जाएगा। इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी टीम पूरी तैयारियों के साथ निकलेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती प्रक्रिया निरस्त

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न रिक्त संविदा पदों पर भर्ती अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दी गई है। सीएमएचओ डॉ शुभा गरेवाल ने बताया कि रिक्त संविदा पदों पर भर्ती के लिए 29 अक्टूबर 2025 को विज्ञापन जारी किया गया था। जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है।

धन और खुशहाली का प्रतीक है केले का पौधा

भारतीय संस्कृति और वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों को सिर्फ हरियाली का हिस्सा नहीं, बल्कि देवी-देवताओं का स्वरूप और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। इन्हीं पौधों में से एक है केले का पौधा, जिसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। घर में केले का पौधा लगाने से ना केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यह धन और खुशहाली का भी प्रतीक माना जाता है। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार केले के पौधे का महत्व और इसे घर में लगाने के कुछ खास नियम।

● केले का पौधा भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। यही कारण है कि बृहस्पतिवार (गुरुवार) के दिन भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की पूजा में केले के पत्ते और फल का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है। माना जाता है कि केले के पेड़ में स्वयं भगवान विष्णु का वास होता है। जिस घर में यह पौधा होता है, वहां विष्णु भगवान की कृपा हमेशा ही बनी रहती है।

● वास्तु शास्त्र के अनुसार, केले का पौधा घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। साथ ही, घर में सकारात्मकता लेकर आता है। यह घर में शांति और खुशहाली लाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और खुशहाली भी बढ़ाता है।

केले का पौधा लगाने के नियम

केले के पौधे का पूरा लाभ पाने के लिए इसे सही दिशा और सही जगह पर लगाना बहुत जरूरी है।

सही दिशा वास्तु के अनुसार, केले का पौधा हमेशा ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में लगाना चाहिए। यह दिशा देवताओं की दिशा मानी जाती है और अत्यंत शुभ होती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

जगह का चुनाव केले के पौधे को कभी भी घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने या घर के बिल्कुल बीच में नहीं लगाना चाहिए। इसे घर के पिछले हिस्से में या आंगन में लगाना शुभ होता है। ध्यान रहे कि यह पौधा इतना बड़ा न हो कि घर में आने वाली धूप या हवा को रोक दे।

साफ-सफाई केले के पौधे के आसपास हमेशा साफ-सफाई रखनी चाहिए। गंदे स्थान पर लगाने से इसके शुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। नियमित रूप से सूखे पत्तों को हटाते रहें।

पूजा-अर्चना गुरुवार के दिन केले के पौधे की पूजा करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इस दिन पौधे को जल अर्पित करें, हल्दी और गुड़ चढ़ाएं। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

तुलसी के पास नहीं केले के पौधे को कभी भी तुलसी के पौधे के पास नहीं लगाना चाहिए। इन दोनों पौधों को अलग-अलग जगह पर रखना ही उचित माना जाता है।

जानिए नाखून पर चंद्रमा का राज क्या है?

नाखूनों पर चांद बनने का अर्थ

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार,चेहरे,हाथ, पैरों की विशेष बनावट, मौजूद रेखाओं और संकेतों के जरिए व्यक्ति के जीवन से जुड़े विशेष पहलुओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। व्यक्ति के शरीर पर कई ऐसे निशान मौजूद होते हैं, जो जीवन में घटित होने वाली कई शुभ-अशुभ घटनाओं का संकेत देते हैं। अपने कई लोगों की उंगलियों के नाखूनों पर चांद जैसी आकृति बनते देखा होगा। नाखून पर दिखाई देने वाले आधे चांद को लुनुला कहते हैं। आइए जानते हैं नाखूनों पर चांद का निशान बनने का क्या मतलब है?

- सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार,नाखूनों पर चांद बनने से व्यक्ति को शुभ-अशुभ दोनों परिणाम मिल सकते हैं। यह जीवन में लाभ के साथ कई चुनौतियां भी ला सकता है।
- ऐसी मान्यता है कि जिन लोगों के नाखूनों पर आधा चांद बनता है। वह लोग आर्थिक मामलों में बहुत भाग्यशाली होते हैं और इन्हें जीवन में कभी भी पैसों की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता है।
- मान्यता है कि तर्जनी उंगली के नाखूनों पर अर्धचंद्र हो, तो ऐसे लोग स्वाभिमानी होते हैं और अपनी मेहनत के दम पर हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल करते हैं।
- सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, मध्यमा उंगली के नाखून पर आधा चांद हो, तो ऐसे लोगों के धनी होने की संभावनाएं रहती है। ये लोग आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं, लेकिन विवाह और नौकरी मिलने में देरी होती है।
- मान्यताओं के मुताबिक, अनामिका उंगली पर आधे चांद का निशान व्यक्ति को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कामयाबी दिलाता है। ऐसे लोग बहुत स्वाभिमानी और ईमानदार होते हैं। वहीं कनिष्ठिका उंगली के नाखून पर अर्धचंद्र बनने पर व्यक्ति कड़ी मेहनत कसे यश की प्राप्ति करता है। ऐसे लोग व्यापार, संगीत और एंकरिंग के क्षेत्र में तरक्की करते हैं।
- कहा जाता है कि जिन लोगों के नाखूनों पर आधे चांद का चिन्ह होता है, वह स्वभाव से काफी हेल्पफुल होते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह काफी मेहनती भी होते हैं।
- नाखूनों पर आधे चांद का निशान बनना बुद्धिमान व्यक्ति का संकेत माना गया है। मान्यता है कि ऐसे लोग दिल के बहुत साफ होते हैं और दूसरों के बारे में नकारात्मक विचार नहीं रखते हैं।
- सामुद्रिक शास्त्र में उंगलियों के नाखूनों पर धुंधला और अस्पष्ट चांद बनना एक अच्छा संकेत नहीं माना गया है। कहा जाता है कि यह खराब सेहत की ओर इशारा करता है। वहीं, अगर नाखूनों पर बने चांद स्पष्ट और साफ हो, तो ऐसे लोग मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत माने जाते हैं।

हर स्किन टोन पर अच्छे लगते हैं एक्सपेंसिव दिखने वाले कलर कॉम्बिनेशन

कपड़े खरीदने जाए तो अक्सर कंफ्यूजन हो जाता है कि कौन सा कलर सबसे ज्यादा खूबसूरत लगेगा और, ट्रेडशिनल कपड़ों की शॉपिंग में बहुत ज्यादा टाइम लग जाता है। खासतौर पर जब डस्की स्किन हो। लेकिन अगर पहले से पता हो कि कौन सा कलर कॉम्बिनेशन आपके स्किन टोन से का साथ अट्रैक्टिव दिखेगा तो शॉपिंग करने में ज्यादा टाइम ना लगे। अगर आप एक्सपेंसिव और अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो इन कलर कॉम्बिनेशन को जरूर ध्यान में रखें। जो हर वार्म और कूल दोनों तरह के टोन के साथ अट्रैक्टिव दिखते हैं।

रानी पिंक एंड गोल्डन

ट्रेडिशनल कपड़ों में साड़ी, लहंगा या फिर सूट पहनना चाहती हैं तो पिंक एंड गोल्डन कलर कॉम्बिनेशन आसानी से एक्सपेंसिव लुक दे सकते हैं। ये हर स्किन टोन पर जंचते हैं।

प्लम एंड टील ग्रीन

डस्की स्किन टोन है तो प्लम कलर खूबसूरत लगता है। वहीं कूल टोन पर भी ये कलर जंचता है। ऐसे में प्लम एंड टील ग्रीन का कॉम्बिनेशन एक्सपेंसिव होने के साथ ही हर स्किन टोन पर जंचता है।

मस्टर्ड एंड पिंक

मस्टर्ड कलर जितना फेयर स्किन पर खूबसूरत दिखता है उतना ही सांवली रंगत पर जंचता है। पिंक के साथ मस्टर्ड का कॉम्बिनेशन एक्पेंसिव और हर स्किन टोन पर अट्रैक्टिव दिखेगा।

मैजेंटा एंड बीज कलर

एक्सपेंसिव लुक चाहती हैं तो मैजेंट एंड बीज कलर कॉम्बिनेशन को ट्राई करें। सबसे खास बात कि ये कलर सांवली रंगत, डस्की स्किन से लेकर फेयर स्किन सब पर खूबसूरत दिखता है।

नहाने के पानी में जरूर मिलाएं ये 4 चीजें

सुंदरता के साथ बढ़ेगा आपका सौभाग्य और आकर्षण

हमारे डेली रुटीन में नहाना का एक बहुत ही अहम हिस्सा है। अब भले ही सर्दियों में लोगों का नहाना जरूर कुछ कम हो जाए लेकिन फिर भी हफ्ते में दो-चार बार थक हार कर बाथरूम का रुख लोग कर ही लेते हैं। खैर, नहाना महज शरीर की गन्दगी को साफ करने के लिए जरूरी नहीं बल्कि कहीं ना कहीं ये आपको मानसिक शांति और चीजों को बेहतर ढंग से समझने की शक्ति भी देता है। ज्योतिष और वास्तु में भी नहाने का बहुत ही महत्व बताया गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का जिक्र है जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से सौभाग्य, खुशहाली और सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इतना ही नहीं ये सभी चीजें आपकी खूबसूरती और आकर्षण को बढ़ाने का भी काम करती हैं। तो चलिए आज इन्हीं के बारे में जानते हैं।

नहाने के पानी में मिलाएं चुटकी भर हल्दी

लगभग हर भारतीय रसोई में कुछ मिले या ना मिले, हल्दी तो जरूर मिल ही जाती है। ये सिर्फ खाने की रंगत और स्वाद बढ़ाने का ही काम नहीं करती बल्कि इसे आप अपने नहाने के पानी में भी मिला सकते हैं। कहते हैं कि पानी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर नहाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके साथ ही हल्दी की प्यूरीफाइंग प्रॉपर्टीज हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। अगर आप रोजाना पानी में हल्दी मिलाकर नहाते हैं तो ये आपकी त्वचा को साफ-सुथरा बनाने और उसकी रंगत निखारने में भी मदद करती है।

नहाने के पानी में मिलाएं तुलसी के पत्ते

तुलसी के पौधे का धार्मिक महत्व तो आपको पता ही होगा, साथ ही सेहत के लिए भी तुलसी के पत्ते किसी वरदान से कम नहीं। नहाने के पानी में यदि तुलसी के कुछ पत्ते या अर्क मिला दिया जाए, तो ये भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण, त्वचा संबंधी कई परेशानियों को खत्म करने में मददगार होते हैं। साथ ही ये स्ट्रेस लेवल को कम करने में भी काफी हेल्पफुल होता है। ज्योतिष के अनुसार तुलसी के पत्ते मिलाकर नहाने से नकारात्मकता दूर होती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

गुलाब की पत्तियों को करें शामिल

नहाने के पानी में गुलाब की पत्तियों को मिलाना भी काफी फायदेमंद है। सदियों से गुलाब का इस्तेमाल इसके स्किनकेयर बेनिफिट्स के लिए होता रहा है। गुलाब की कुछ पंखुड़ियां पानी में मिलाकर नहाने से त्वचा तो कोमल और ब्राइट होती ही है, साथ ही इसकी खुशबू मूड को बेहतर बनाने और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करती है। इसके साथ ही मान्य है कि गुलाब के पत्तों वाले पानी से नहाने पर जीवन में प्रेम, खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

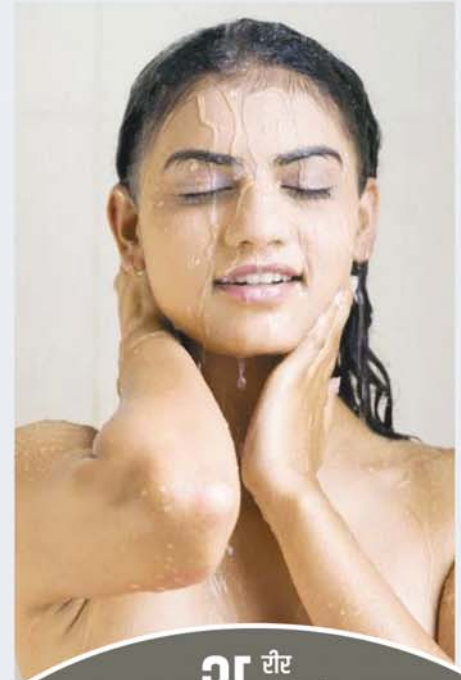

पानी में मिलाएं चंदन के तेल की कुछ बूंदे

चंदन का इस्तेमाल भी सदियों से अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए होता आया है। यूं तो आप चंदन पाउडर की उबटन बनाकर भी नहा सकते हैं,लेकिन पानी में चंदन के तेल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाना सबसे आसान और कारगर तरीका है। ये सिर्फ आपकी त्वचा में निखार लाने और उसे खुशबूदार बनाने का ही काम नहीं करता,बल्कि ज्योतिष के अनुसार ये जीवन में गुड लुक और पॉजिटिविटी अट्रैक्ट करने का भी काम करता है। इसके साथ ही इसकी भीनी खुशबू मूड को तुरंत खुशनुमा बनाकर ताजगी और सुकून देती है।

नया साल आते ही रसोई में जरूर कर लें ये बदलाव, सेहत रहेगी दुरुस्त

साल 2024 खत्म हो गया है और इस साल लोगों ने हेल्थ को लेकर काफी जागरुकता दिखाई। अच्छे सेहत की शुरुआत हेल्दी किचन से होती है। इसलिए लोगों ने हेल्दी खानपान के साथ ही काफी सारे अनहेल्दी और हार्मफुल रसोई के सामानों को ना इस्तेमाल करने की सलाह दी। जनवरी शुरु होने के साथ ही आप भी अपने रसोई में इन बदलावों को जरूर कर लें। जिससे हेल्दी रहना आसान हो सके।

नॉनस्टिक बर्तनों को कहें बॉय

नये साल का रिजॉल्यूशन लेना चाहते हैं तो इस साल अपनी रसोई से सभी तरह के नॉनस्टिक पैन, तवा, कड़ाही जैसे बर्तनों को टाटा-बॉय बोल दें। इसके बाद आयरन के बने तवा और कड़ाही का इस्तेमाल करें।

एल्यूमिनियम फॉइल को कहें ना

एल्यूमिनियम फॉइल में रोटी या पराठा लपेटने की आदत को कहें ना। नये साल से हेल्दी हैबिट फॉलो करनी है तो अपनी रसोई से एल्यूमिनियम फॉइल को निकालकर किसी कपड़े या बटर पेपर में रोटी, पराठा लपेटने की आदत लगाएं।

लिक्विड डिशवॉशर को बोलें ना

काफी सारी रिसर्च में खुलासा हो चुका है कि लिक्विड डिशवॉशर सोप में कई तरह के हार्मफुल केमिकल होते हैं। ऐसे में लिक्विड डिशवॉश जेल को रसोई से बाहर कर दें।

किचन को करें डिक्लटर

किचन में मौजूद गैर जरूरी चीजें इस साल जरूर साफ कर लें। जिन चीजों का इस्तेमाल नहीं करते उन्हें फौरन रसोई से बाहर करें और रसोई को डिक्लटर करें।

शरीर को हेल्दी बनाए रखने के लिए खानपान का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। संपूर्ण पोषण के लिए रोजाना का थाली भर भोजन ही काफी नहीं होता, बल्कि हमें और भी एक्स्ट्रा चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना पड़ता है। ड्राई फ्रूट्स यानी सूखे मेवे इन्हीं में से एक हैं। हम सभी को बचपन से ये बताया जाता है कि ड्राई फ्रूट्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं इसलिए रोज मुट्ठी भर सूखे मेवे चबाए बिना हमारा दिन ही नहीं बनता। इस बात में पूरी सच्चाई है कि सूखे मेवे हमारे शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने का काम करते हैं इसलिए कुछ ड्राई फ्रूट्स हमें रोजाना खाने भी चाहिए। हालांकि कुछ ऐसे ड्राई फ्रूट्स भी हैं जिन्हें रोजाना खाने से परहेज करना चाहिए। आइए आज उन्हीं के बारे में जानते हैं।

रोज ना खाएं काजू

काजू एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो लगभग सभी को पसंद आता है। यह खाने में तो टेस्टी होता ही है, साथ ही कई पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। यह शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद भी है लेकिन फिर भी एक सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। दरअसल काजू में भरपूर मात्रा में फैट और कैलोरी पाई जाती हैं। इसलिए रोज-रोज और अधिक मात्रा में काजू का सेवन करने से शरीर का वजन तेजी से बढ़ सकता है। इसके साथ ही ये शरीर के कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे हार्ट पर भी बुरा इफेक्ट पड़ सकता है।

सीमित मात्रा में खाएं ब्राजील नट

ब्राजील नट जिसे हिंदी में त्रिकोणफल के नाम से भी जाना जाता है, मुख्य रूप से साउथ अमेरिका में पाया जाता है। विटामिन और मिनरल से भरपूर ये ड्राई फ्रूट, सुपर फूड की तरह काम करता है। यह शरीर और दिमाग दोनों की सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। हालांकि इस ड्राई फ्रूट को भी अधिक मात्रा में खाने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। दरअसल ब्राज़ील नट में भरपूर मात्रा में सेलेनियम पाया जाता है। ऐसे में इसे अधिक मात्रा में खाने से सेलेनियम टॉक्सिसिटी के साथ-साथ सिर दर्द, बदन दर्द और थकान की समस्या हो सकती है।

हेजलनट हार्ट की मजबूती से लेकर, शुगर इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जिसका उचित मात्रा में सेवन करने से लाभ मिलता है। हालांकि अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो यह शरीर को लाभ पहुंचाने के बजाय, नुकसान भी पहुंचा सकता है। ये ड्राई फ्रूट भी फैट और कैलोरी से भरपूर होता है, जिसका अधिक सेवन करने से वजन बढ़ने की समस्या और कोलेस्ट्रॉल मैनेजमेंट में काफी परेशानी हो सकती है।

बच्चों की सफलता के लिए जरूरी है ऐसी दिनचर्या...

जीवन में आगे बढ़ना है और सफलता पानी है, तो एक सही दिनचर्या का होना बेहद जरूरी है। एक अच्छी दिनचर्या का पालन करने से सभी काम सही समय पर पूरे होते हैं, साथ ही व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से भी उन्नति करता है। अगर बचपन में ही मां-बाप बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान दें तो ये भविष्य में उनकी उन्नति के रास्ते खोल देता है। श्री प्रेमानंद जी महाराज ने अपने सत्संग के दौरान बच्चों की सही दिनचर्या कैसी हो इसपर विस्तृत चर्चा की है। साथ ही उन्होंने बच्चों की उन्नति के लिए सही दिनचर्या के होने का महत्व भी बताया है। आप भी अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महाराज श्री की बताई हुई दिनचर्या का पालन उनसे करा सकते हैं।

प्रातः काल ब्रह्ममुहुर्त में उठने की डालें आदत

सुबह सूर्योदय से पूर्व बिस्तर छोड़ देना चाहिए। ब्रह्ममुहुर्त का समय यानी 4 बजे का समय सुबह उठने के लिए सबसे उपयुक्त माना गया है। सुबह उठते ही सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें और फिर संतों और भगवान का नाम लेते हुए आसान का त्याग करें। इसके बाद अपने माता-पिता के चरणस्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेना ना भूलें। इसके बाद वज्रासन में बैठकर लगभग आधा या एक लीटर गर्म पानी पीएं और 100 से 200 कदम टहलें। इससे पेट आसानी से साफ होगा जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों दुरुस्त रहेंगे।

ऐसा हो सुबह का रूटीन

बच्चों को फ्रेश होने के तुरंत बाद स्नान कर लेना चाहिए। स्नान के बाद कुछ समय धूप में बैठकर योग और प्राणायाम करें। दंड बैठक, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, आलोम-विलोम जैसे योगासन बच्चे के रूटीन में जरूर शामिल करें। इसके तुरंत बाद बच्चों को पढ़ाई करने बैठ जाना चाहिए। महाराज श्री के अनुसार जो भी कक्षा में

पढ़ाया जा चुका है, उसका रिवीजन करें या कोई भी होम वर्क मिला हो उसे पूरा करें। इस समय याद की गई चीजें बहुत ज्यादा दिनों तक स्मृति में बनी रहती हैं। इसलिए इस समय पढ़ाई करना बेहद अच्छा माना गया है।

बुरे संग से रहें दूर

बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, उन्हें जैसे मोड़ दिया जाए वो उसी आकार में ढल जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे गलत संगत से दूर रहें। माता-पिता को अपने बच्चों को यह जरूर सिखाना चाहिए कि यदि कोई बच्चा या कोई भी इंसान उन्हें कोई गंदी चीज दिखा रहा है या बोल रहा है, तो वो उसे तुरंत अपने अध्यापक और माता-पिता से कहें।

बच्चों को खिलाएं सात्विक आहार

बच्चे भले की कितना भी बाहर का जंक फूड या पैकेट वाला भोजन खाना पसंद करते हों लेकिन माता-पिता को उनके आहार का पूरा ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चों को घर का बना साफ-सुथरा सात्विक आहार ही खिलाएं। जैसा भोजन हम खाते हैं, उसका असर हमारे विचारों और बुद्धि पर भी पड़ता है।

रात के समय ऐसी हो दिनचर्या

रात में सोने से पहले बच्चों को भगवान का नाम लेना चाहिए। इस दौरान उन्हें मोबाइल फोन, टीवी जैसी चीजों से दूर रहना चाहिए। भगवान को दिन के लिए धन्यवाद कहें, उनका नाम जप करें और अपने दिन को भगवान को समर्पित करें।

रोज-रोज नहीं खाने चाहिए ये ड्राई फ्रूट

कंट्रोल करने तक हेजलनट को खाने के कई फायदे हैं। इसका सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं और शरीर की इम्युनिटी भी बूस्ट होती है। इतना फायदेमंद होने के बावजूद हेजलनट को सीमित मात्रा में ही खाना चाहिये। साथ ही इसे रोज-रोज खाने से भी बचना चाहिए। दरअसल हेजलनट में फैट और कैलोरी बहुत ही अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसे अधिक खाने से शरीर का वजन तो बढ़ सकता ही है, साथ ही हार्ट संबंधी बीमारियां का खतरा भी बढ़ सकता हैं।

पाइन नट भी है लिस्ट में

रोज ना खाए जाने वाले ड्राई फ्रूट्स की लिस्ट में पाइन नट का भी नाम शामिल है। यूं तो पाइन नट शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है।

न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने बेमेतरा में बाइक हेलमेट रैली को दिखाई हरी झंडी

कलेक्टर व एसएसपी ने यातायात नियमों के पालन का किया आह्वान

बेमेतरा। आम नागरिकों में यातायात एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ आज सर्किट हाउस, बेमेतरा से किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे, अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी ने जिले के प्रवास के दौरान कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिले की कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.), उप पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार झा, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक हेलमेट रैली को हरी झंडी, नगर भ्रमण कर दिया सुरक्षा का संदेश

न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू द्वारा बाइक हेलमेट रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो एवं थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में सर्किट हाउस से प्रारंभ होकर कोबिया चौक, सिग्नल चौक, गस्ती चौक, गौरवपथ रोड, कर्मा माता चौक, भारत माता चौक, बस स्टैण्ड, चौपाटी, जय स्तंभ चौक, रेस्ट हाउस चौक होते हुए यातायात कार्यालय, थाना सिटी कोतवाली परिसर तक पहुँची। रैली के माध्यम से दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सुरक्षित एवं संयमित गति से वाहन चलाने का संदेश दिया गया।

पूरे माह होंगे विविध जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिलेभर में प्रत्येक दिवस विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्कूल एवं कॉलेजों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम, आम चौक-चौराहों पर जनसंवाद, हेलमेट रैली, रंगोली, निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं, क्रिकेट प्रतियोगिता, लर्निंग लाइसेंस कैंप वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जैसे कार्यक्रम शामिल हैं, जिनका उद्देश्य जनमानस को यातायात नियमों के प्रति सजग करना है।

यातायात नियमों से ही सुरक्षित रहता है जीवन : कलेक्टर

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से ही जीवन सुरक्षित रहता है। जीवन अनमोल है, इसके महत्व को समझें। स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। उन्होंने दुपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने तथा संयमित गति से वाहन चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक माह तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जिले के स्कूल, कॉलेज, ब्लॉक एवं थाना स्तर पर लगातार जारी रहेगा।

एसएसपी की अपील : नियमों की अनदेखी से परिवार पर पड़ता है दुष्प्रभाव

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि शराब सेवन कर वाहन चलाना, बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट वाहन चलाना तथा तेज गति से वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। दुर्घटना में होने वाली मृत्यु का असर केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। इसलिए आम नागरिकों से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें। मानव जीवन अनमोल है इसे व्यर्थ न गवायें, यातायात नियमों का पालन कर जीवन सुरक्षित करें। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि शराब पीकर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिगों को वाहन न चलाने दें तथा पुलिस वाहन चेकिंग के दौरान सहयोग करें।

मीडिया से जन जागरूकता में सहयोग की अपील

कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु उपस्थित प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों से सड़क सुरक्षा संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि मोहन साहू, प्रधान आरक्षक दौलत वर्मा, हेमंत साहू, पुलिस कार्यालय स्टाफ, यातायात पुलिस, पुलिस लाइन के अधिकारी-कर्मचारी तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

3 जनवरी को शाकंभरी महोत्सव व सावित्रीबाई फुले जयंती, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा रहेंगे मुख्य अतिथि

कवर्धा। सहसपुर लोहारा विकासखंड के पटेल समाज द्वारा 3 जनवरी को शाकंभरी महोत्सव एवं माता सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन पटेल भवन, नया बस स्टैंड, सहसपुर लोहारा में संपन्न होगा। कार्यक्रम को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह है और तैयारियां अंतिम दौर में हैं। समारोह की गरिमा बढ़ाने के लिए प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे, जबकि जनपद पंचायत उपाध्यक्ष (लोहारा) अशोक पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर राजनांदगांव-कवर्धा सांसद संतोष पांडेय, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, लोहारा राज के राजा खड्ग राज सिंह एवं नगर पंचायत अध्यक्ष (लोहारा) संतोष मिश्रा की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। पटेल समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष परदेशी पटेल ने बताया कि यह आयोजन समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि माता शाकंभरी की आराधना तथा देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले के शिक्षा, समानता और नारी सशक्तिकरण के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम रूपरेखा के अनुसार सुबह 10 बजे माता शाकंभरी की आरती, सुबह 11 बजे भव्य कलश शोभायात्रा, दोपहर 1 बजे से मंचीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समस्त पटेल समाज, विकासखंड सहसपुर लोहारा, जिला कबीरधाम के पदाधिकारी एवं समाजजन सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह महोत्सव क्षेत्र में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव को नई दिशा देने वाला सिद्ध होगा।

उत्कृष्ट विधायक का संकल्प मजबूत, सिस्टम की नींव कमजोर

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के गृह ग्राम रणवीरपुर में सीसी रोड में आई दरार

कवर्धा/स. लोहारा। पंडरिया विधानसभा की विधायक भावना बोहरा को छत्तीसगढ़ विधानसभा में उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिला है। वे क्षेत्र के विकास को लेकर लगातार सक्रिय रही हैं। निःशुल्क एंबुलेंस सेवा, बेटियों की पढ़ाई के लिए कॉलेज आने-जाने की निःशुल्क बस, कोचिंग सुविधा जैसी कई जनहित योजनाओं से उन्होंने अपनी विकासशील सोच को ज़मीन पर उतारा है। इसी क्रम में उनके गृह ग्राम रणवीरपुर में भी विभिन्न योजनाओं के तहत करोड़ों रुपए की लागत से निर्माण और विकास कार्य कराए गए हैं। लेकिन इन कार्यों की गुणवत्ता अब सवालों के घेरे में आ गई है। रणवीरपुर पंचायत भवन प्रांगण में बने सीसी रोड में साफ तौर पर बड़ी दरारें दिखाई दे रही हैं। यह स्थिति निर्माण कार्य की गुणवत्ता और उसकी निगरानी कर रहे तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बने ज्यादा समय नहीं हुआ और पहले ही उसमें दरारें आ जाना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। सबसे हैरानी की बात यह है कि गांव में चल रहे या पूर्ण हुए किसी भी निर्माण कार्य स्थल पर नागरिक सूचना पटल नहीं लगाया गया है। इससे यह जानकारी नहीं मिल पाती कि कार्य किस योजना से, कितनी लागत में और किस एजेंसी द्वारा कराया गया है। पारदर्शिता के अभाव में लोगों के मन में स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब विधायक स्वयं विकास के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रही हैं, तो विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रही है। यदि उत्कृष्ट विधायक के गृह ग्राम में ही गुणवत्ता से समझौता हो रहा है, तो दूर-दराज के गांवों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब लोगों की उम्मीद है कि विधायक भावना बोहरा इस मामले को गंभीरता से लेंगी, निर्माण कार्य की जांच कराएंगी और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी, ताकि आगे होने वाले विकास कार्य गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूरे हों। क्योंकि असली विकास वही है, जो कागजों में नहीं, ज़मीन पर टिकाऊ दिखाई दे।

नए साल में अपनी बिजली खपत के एक-एक पैसे का हिसाब रख सकेंगे उपभोक्ता

दल्लीराजहरा। इस नये वर्ष से दुर्ग रीजन (दुर्ग, बालोद, बेमेतरा जिले) के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए पारदर्षिता और आधुनिकता की नई किरण लेकर आ रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) दुर्ग क्षेत्र ने नव वर्ष के अवसर पर 65 प्रतिशत उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की सौगात दे दी है। अब उपभोक्ता नए साल में अपनी बिजली खपत के एक-एक पैसे का हिसाब रख सकेंगे। उल्लेखनीय है कि दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के लगभग 09 लाख 80 उपभोक्ताओं में से कुल 05 लाख 71 हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि विद्युत रीजन दुर्ग के तीनों जिलों के लगभग 65 प्रतिशत लोगों के घरों में आधुनिक स्मार्ट बिजली मीटर लग चुके हैं, जिससे वे नई व्यवस्था का सीधा लाभ उठाना शुरू कर चुके हैं। अब खपत की पाई-पाई का रिकार्ड उपभोक्ता देख सकेंगे। हर आधे घंटे में कितनी यूनिट बिजली की खपत हुई उसका रिकार्ड देख सकेंगे, जिससे विद्युत का किफायत से उपयोग किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि जहां-जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर बिलिंग और रीडिंग सहीं समय पर हो रही है। विद्युत रीजन दुर्ग के अंतर्गत विभागीय संभाग भिलाई शहर पश्चिम में 62075, भिलाई पूर्व संभाग में 48968, दुर्ग शहर संभाग में 59244, बालोद संभाग में 103696, दुर्ग संभाग में 73058, बेमेतरा संभाग में 53556, साजा संभाग में 52131, अहिवारा संभाग में 53196 एवं पाटन संभाग में 65152 निम्नदाब उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी एवं सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार होगा। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। कंपनी ने बताया कि उपभोक्ता अब हर आधे घंटे में देख सकेंगे कि कितनी यूनिट बिजली खर्च हुई। अब घर पर मीटर रीडर का इंतजार करने की जरुरत नहीं होगी, रीडिंग सीधे विभाग तक पहुंच जायेगी। स्मार्ट मीटर के प्रीपेड हो जाने पर हर साल जमा की जाने वाली सुरक्षा निधि से उपभोक्ताओं को मुक्ति मिल जाएगी। बैंक अकाउंट की तरह अब उपभोक्ता के फोन पर बिजली का पूरा हिसाब मौजूद रहेगा। भविष्य में 10 किलोवॉट से अधिक संबद्ध भार वाले निम्नदाब उपभोक्ताओं को टी.ओ.डी. टैरिफ पर बिल किया जाएगा, जिससे बिजली की प्रचलित दर में की गई खपत पर छूट का प्रावधान होगा। कंपनी ने बताया कि यह सब स्मार्ट मीटर लगने के बाद ही संभव होगा। ज्ञातव्य हो कि विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जारी विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियमन 2020, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के द्वारा जारी मीटरिंग कोड एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा बनाये गये नियमों के पालन में प्रदेष के सभी निम्नदाब उपभोक्ताओं के यहां पुराने मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदलना अनिवार्य है। यह कार्य भारत सरकार और राज्य सरकार के संयुक्त निर्देशो पर आरडीएसएस योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उपभोक्ता अपना मोबाइल नंबर अवश्य रजिस्टर कराएं क्योंकि मीटर से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचना उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस एवं वाट्सअप के माध्यम से भेजे जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी उपभोक्ता मोर बिजली ऐप के माध्यम से अपनी दैनिक खपत देख सकते हैं और बिल तथा विद्युत से संबंधित अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाना पूरी तरह से निःशुल्क है। भविष्य में सोलर रुफटॉप कनेक्शन लेने पर स्मार्ट मीटर लगे परिसरों में नेटमीटर लगाने की आवष्यकता नहीं होगी। स्मार्ट मीटर में अब मानवीय त्रुटियों की संभावना शून्य हो गई है। मुख्य अभियंता ने कहा कि जीनस कंपनी के कर्मचारी यूनिफार्म एवं विद्युत विभाग के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित आईकार्ड के साथ कार्यालयीन समय में मीटर लगाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सीएसपीडीसीएल अपने शेष सभी उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य त्वरित गति से कर रही है एवं उपभोक्ता भी सहयोग कर रहे हैं और स्मार्ट मीटर से संतुष्ट हैं।

शिकारी बाबा के वार्ड वासियों ने अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। वार्ड नंबर 5 शिकारी बाबा के वार्ड वासियों ने अनुविभागीय दण्डधिकारी, एवं थाना प्रभारी दल्ली राजहरा को वार्ड में हो रहे अवैध गतिविधियों में रोक लगाने के लिए आवेदन पत्र सौंपा है । जिसमें कहा गया कि वार्ड क्र. 05 शिकारी बाबा वार्ड में नशाखोरों के द्वारा गुण्डा गर्दी करने व गाली गलौज कर मारपीट किये जाने के ऊपर त्वरित कार्यवाही करने का निवेदन किया है । वार्ड क्रमांक 5 के लगभग 50 से 60 महिला एवं पुरुष दल्ली राजहरा थाना पहुंचे उन्होंने थाना प्रभारी संतोष कुमार को आवेदन सौंपा और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने का

निवेदन किया है उसके बाद सभी वार्ड वासी अनुविभागीय कार्यालय पहुंचे वहां अनविभागीय अधिकारी के अनुपस्थिति में उनके बाबू नेताम को आवेदन सौंपा। आवेदन में लिखा है कि वार्ड क्र. 05 शिकारी बाबा वार्ड में मोहल्ले के कुछ लोग अपने अन्य साथियों के द्वारा वार्ड में स्थित तालाब के पास नशाखोरी करते हैं और नशा करने के बाद मोहल्ले के लोगों के साथ गाली गलौज व मारपीट करते हैं। इनके द्वारा इस प्रकार नशाखोरी करने से दुसरे वार्ड के नशाखोर लोग भी हमारे वार्ड में आते हैं। और सभी मिलकर हुडदंग करते हैं। वार्ड में स्थित तालाब में शिव मंदिर है, जहाँ पर वार्डवासी पूजा पाठ के लिए जाते हैं। वार्डवासी इस तालाब का उपयोग निस्तारी के रूप में भी करते हैं, वार्ड की महिलायें तालाब में नहाने जाती है, तो ये नशाखोर लड़के अश्लील हरकत करते हैं। जिससे महिलाओं को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। वार्डवासियों के द्वारा इन्हे समझाइश देने पर ये लोग उन्ही से लड़ाई झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं। इनके द्वारा इस प्रकार की हरकतों से वार्ड का माहौल बहुत ज्यादा खराब हो गया है । बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, जिससे उनका भविष्य भी अंधकारमय बना हुआ है। 23 दिसम्बर को इन नशाबाजों ने वार्ड के ही निवासी संतोष देवांगन नाम के लड़के को धारदार हथियार से मारपीट कर हमला किये हैं। इस संबंध में वार्डवासियों द्वारा राजहरा थाना में शिकायत किया गया है कि पुलिस द्वारा इन पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं होने से इनके हौसले और बुलंद हो रहे हैं। इसलिए इन पर सख्त कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। अतः आपसे अनुरोध है कि इस प्रकार नशाखोरी कर मोहल्ले में गाली गलौज व हथियार लेकर लोगों को धमकाने वालों पर सख्त कार्यवाही करने का कष्ट करें, जिससे वार्ड का माहौल शांतिपूर्ण व भयमुक्त बना रहे।

एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं विवरण संशोधन की समय-सीमा बढ़ी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं विवरण संशोधन की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, किसानों के पंजीयन के बाद विवरण संशोधन की सुविधा अब 07 जनवरी 2026 तक उपलब्ध रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार,15 दिसम्बर 2025 तक केसीसी, ई-ऋण, वन पट्टाधारी किसानों सहित अन्य श्रेणी के किसानों के पंजीयन का प्रावधान संबंधित समितियों के समिति लॉगिन के माध्यम से किया गया था। एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन के पश्चात विभिन्न किसानों द्वारा अपने विवरणों में संशोधन हेतु आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

निनवा में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा के ग्राम निनवा में आयोजित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक ने खेल का उद्घाटन करते हुए कहा कि कबड्डी हमारे देश की पारंपरिक खेल है और इस खेल के माध्यम से हम सभी न केवल रोमांच का अनुभव करते हैं बल्कि यह खेल हमें आपस में आपसी भाईचारे और समरसता का भी अनुभव करता है ग्रामीण अंचलों में खेल सुविधा के अभाव के बावजूद बहुत ही अच्छे

कबड्डी के खिलाड़ी निकल रहे हैं जो बहुत ही खुशी और हर्ष का विषय है खेल के माध्यम से न केवल हम अपने शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को भी आगे बढ़ा रहे हैं निनवा मे छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें पूरे आंचल से कबड्डी की टीम में भाग लेने के लिए आई हुई है मैं आयोजको को इस आयोजन के लिए अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका परिचय प्राप्त किया इस अवसर पर शशि प्रभा गायकवाड मिथिलेश वर्मा शिव कुमार वर्मा अश्वनी कुमार पाठरे अनिल दुबे संजय वर्मा, रवि वर्मा(पप्पू), डोमन निषाद रामेश्वर वर्मा कुमारु वर्मा रमेश वर्मा, रवि वर्मा, सोहन निषाद महादेव निषाद करण यादव पारसनाथ ललित विश्वकर्मा साहिल वर्मा पंकज वर्मा गंगा दिनवर्मा,चैन वर्मा मंसाराम साहू विजे राम यादव योगेश वर्मा (छोटू) लुक्का वर्मा हरीश वर्मा लेखु वर्मा दिनु वर्मा राकेश वर्मा, राजबेग खान तिजाऊ निर्मलकर बंसी साहू, मोहित यादव, बर्बरी निषाद, हीरा दास मानिकपुरी, साइमन वर्मा, मनोज वर्मा कामता वर्मा गोपी वर्मा, सुखदेव वर्मा समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इको-टूरिज्म केन्द्र के रूप में स्थापित करने का सपना शीघ्र होगा पूरा

दल्लीराजहरा। जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से जिले के मनोरम प्राकृतिक वादियों को इको-टूरिज्म केन्द्र के रूप में स्थापित करने का सपना शीघ्र साकार होने वाला है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा जिले में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत गुरूर विकासखण्ड के नारागांव स्थित सिया देवी मंदिर के समीप मनोरम झील पर एडवेंचर और राफ्टिंग सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य सतत पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों

के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना है। नारागांव स्थित एडवेंचर और राफ्टिंग सेंटर में स्थानीय सामग्री एवं पारंपरिक कौशल से तैयार बाँस की राफ्ट उपलब्ध होंगी जिनका सफल परीक्षण भी किया जा चुका है। पर्यटक यहाँ राफ्टिंग, कैंपिंग, बोनफायर और स्थानीय व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा भविष्य में ईको-कॉटेज और सूर्योदय-सूर्यास्त व्यू प्वाइंट भी विकसित किए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को प्रकृति के बीच एक संपूर्ण आनंद का अनुभव मिलेगा। उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने इको टूरिज्म स्थल का निरीक्षण कर परियोजना को अंतिम स्वीकृति दी है। नारागांव स्थित एडवेंचर और राफ्टिंग सेंटर नए वर्ष से शुरू की जाएगी। इस तरह जिले में यह प्रयास इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने एवं स्थानीय लोगों के लिए रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

नाबालिग के हाथों शराब,गांजा की बिक्री, खुलासा करने पर पत्रकारों को मिली जान से मारने की धमकी

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के बेमेतरा थाना क्षेत्र के ग्राम कुसमी से मामला सामने आया अब केवल अवैध शराब और गांजा बिक्री तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह पत्रकारों की सुरक्षा, नाबालिगों के शोषण और प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। 28 दिसंबर 2025 को पत्रकारों को सूचना मिली कि ग्राम कुसमी में खुलेआम अवैध शराब और गांजा का कारोबार चल रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए पत्रकार मौके पर पहुंचे और जो कुछ उन्होंने देखा, वह किसी अपराध फिल्म के दृश्य से कम नहीं था। हर ब्रांड की शराब ऊंचे दामों पर बेची जा रही थी, वहीं 100, 200 और 500 रुपये की गांजा पुड़िया खुलेआम ग्राहकों को परोसी जा रही थीं।

सबसे भयावह सच्चाई — नाबालिग बना दिया गया 'सेल्समैन'

इस पूरे अवैध कारोबार को संभाल रहा था महज 12-13 साल का नाबालिग बच्चा। जिस उम्र में किताबें हाथ में होनी चाहिए थीं, उस उम्र में बच्चे के हाथ में शराब और गांजा थमा दिया गया। यह दृश्य न सिर्फ कानून का खुला उल्लंघन है, बल्कि समाज के मुंह पर तमाचा भी है। पत्रकारों ने पूरी गतिविधि को खुफिया कैमरे में रिकॉर्ड कर उसी दिन गोविन्द दास मानिकपुरी ने खबर प्रकाशित की। लेकिन सवाल यह है कि खबर चलने के बाद भी प्रशासन क्यों खामोश रहा खुलासे के खबर सामने आने के बाद अवैध धंधे के सरगना बौखला उठे 29 दिसंबर 2025, सोमवार की शाम, आरोपी पवन कुमार पाठक ने पत्रकार परमेश्वर यादव के मोबाइल पर फोन कर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। यह कॉल पत्रकार गोविन्द दास मानिकपुरी ने रिसीव किया इसके बाद दोनों पत्रकार बेमेतरा सिटी कोतवाली पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। गिरफ्तारी हुई, लेकिन अधूरी कार्रवाई मंगलवार को पुलिस ने आरोपी पवन कुमार पाठक को गिरफ्तार किया, लेकिन सिर्फ पत्रकार को गाली-गलौज और धमकी देने के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि नाबालिग से शराब और गांजा बिकवाना शराब कोचिया का संगठित धंधा बाल श्रम और बाल शोषण इन गंभीर अपराधों पर कार्रवाई आखिर क्यों नहीं हुई आरोपी को रात भर थाने में बैठाने के बाद बिना मेडिकल मुलाहिजा कराए बुधवार शाम एसडीएम के सामने पेश किया गया और उसे जमानत दे दी गई।

श्रम विभाग की चुप्पी चर्चा में

श्रम विभाग की चुप्पी भी सवालों के घेरे में नाबालिग से अवैध काम कराए जाने के बावजूद श्रम विभाग द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बाल श्रम निषेध कानून सिर्फ कागज़ों तक सीमित क्यों रह गया है। जब सच बोलना बन जाता खतरा । यह मामला अब सिर्फ कुसमी गांव का नहीं रहा। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जहां नाबालिग से अपराध कराया जाता है। पत्रकार सच दिखाते हैं। और बदले में उन्हें जान से मारने की धमकी मिलती है! सवाल यह है–क्या सच उजागर करने की यही कीमत है। क्या शराब कोचियों और अपराधियों को सिस्टम का मौन संरक्षण मिल रहा है। और क्या पत्रकारों की सुरक्षा सिर्फ भाषणों तक सीमित रह गई है। यह मामला प्रशासन और समाज दोनों के लिए चेतावनी है। अगर आज सवाल नहीं उठे, तो कल सच्चाई बोलने वाला हर व्यक्ति खतरे में होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com